संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -234 मंगलवार,25 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

18 वीं लोकसभा सत्र का प्रारंभ हुआ शपथ ग्रहण के साथ

» केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को राज्यसभा में सदन के नेता होंगे...वह राज्यसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे...

नई दिल्ली,24 जून 2024(ए)। देश की 18 वीं लोकसभा का पहला सत्र आज से शुरू हो चुका है।18 वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। 3 जुलाई तक चलने वाले सत्र के शुरुआती 2 दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जा रही है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए हैं। गोयल ने आज लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। राज्यसभा की वेबसाइट पर भी नड्डा का नाम बतौर सदन का नेता अपडेट किया गया है।

एबीवीपी से शुरू हुआ सियासी सफर

भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म हो गया था। उन्हें आम चुनाव के चलते छह महने का विस्तार दिया गया था। उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है। नड्डा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी से अपने सियासी सफर की शुरुआत की थी। वह 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष बने।

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में रहे स्वास्थ्य मंत्री

उन्हें साल 2012 में राज्यसभा के लिए चुना गया। इसके बाद 2014 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने पर उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया। नड्डा ने मोदी सरकार के पहल कार्यकाल में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाला था। उसके बाद 2019 में उन्हें भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष पद का जिम्मा दिया गया। फिर 2020 में अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने पर उन्हें पार्टी का पूर्ण अध्यक्ष बना दिया गया। मोदी 3.0 सरकार में उन्हें दोबारा स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ-साथ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय भी आवंटित किया गया है।

कांग्रेस ने दी नड्डा को बधाई

कांग्रेस ने नड्डा को राज्यसभा में सदन का नेता नामित किए जाने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि यदि सदन के नेता सभी को समायोजित करेंगे तो विपक्ष सहयोग करेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जेपी नड्डा जी को राज्यसभा में सदन के नेता के रूप में नामित किए जाने पर बधाई। जैसा कि वेंकैया नायडू (पूर्व उपराष्ट्रपति एवं उच्च सदन के पूर्व सभापति) ने कहा था-यदि सदन के नेता समायोजित कर सकते हैं, तो विपक्ष सहयोग कर सकता है।

18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत होते ही सदन में भाषाई विविधिता देखने को मिली। दरअसल नवनिर्वाचित सांसदों ने संस्कृत, हिंदी,डोगरी,बंगाली, असमिया और उड़िया और अंग्रेजी भाषाओं में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'जय श्री राम' के नारों के बीच हिंदी में शपथ ली। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने हिंदी भाषा में शपथ ली।

सत्र शुरु होने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद के बाहर मीडिया को संबोधित किया। मोदी ने कहा, आज का दिवस वैभव का दिन है. आज़ादी के बाद पहली बार हमारी अपनी नई संसद में ये शपथ समारोह हो रहा है,अब तक ये प्रक्रिया पुराने सदन में हुआ करती थी।

कैबिनेट मंत्रियों ने ली शपथ

कैबिनेट मंत्रियों राजनाथ सिंह,अमित शाह,नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल ने 18 वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सबसे पहले पीएम मोदी सांसद के तौर पर शपथ ली. इसके बाद अमित शाह,राजनाथ,पीयूष गोयल,शिवराज सिंह चौहान समेत सभी मंत्रियों ने शपथ ली। जैसे ही सांसदों ने शपथ लेना शुरू किया,सदन के अंदर और बाहर विपक्षी दलों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्षी खेमा प्रोटेम स्पीकर पर भर्तृहरि महताब के चयन को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लोकसभा की परंपरा तोड़ी गई है. परंपरा के मुताबिक,भर्तृहरि महताब से ज्यादा सीनियर सांसद के. सुरेश हैं,लेकिन सरकार ने एक बार फिर विपक्ष का मजाक बनाया है.सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी, फिर अमित शाह,राजनाथ ने ली शपथ इसके साथ ही स्पीकर पद पर चुनाव भी होगा। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने सबसे पहले पीएम नरेंद्र मोदी फिर अमित शाह,राजनाथ सिंह,नीतीन गडकरी और शिवराज सिंह चौहान को संसद पद की शपथ दिलाई।

सरकार चलाने के लिए बहुमत पर देश चलाने के लिए सहमति जरूरी

पीएम मोदी ने नए सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि जब देश की जनता ने तीसरे कार्यकाल के लिए एक सरकार पर मुहर लगाई है। मैं देश की जनता का आभार व्यक्त करता हूं। सरकार चलाने के लिए बहुमत होता है, पर देश चलाने के लिए सहमति बहुत ज़रूरी होती है। हमारी कोशिश होगी कि सबकी सहमति लेकर मां भारती की सेवा करें।

देश को एक जिम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में 25 जून 1975 को आपातकाल लगाए जाने का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा कि सांसदों से देश को बहुत अपेक्षाएं हैं। मैं सांसदों से अपील करूंगा कि हम इस मौक़े का उपयोग करें और जनहित में कदम उठाएं। पीएम ने कहा कि सदन में सामान्य मानवी की अपेक्षा रहती है कि बहस हो, निगरानी रखी जाए. लोगों की ये अपेक्षा नहीं है कि नखरे होते रहें, लोग नारे नहीं चाहते हैं. देश को एक ज़िम्मेदार विपक्ष की आवश्यकता है।

26 जून को होगा लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव

लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव 26 जून को होगा। जब तक नया अध्यक्ष नहीं चुना जाता, प्रो-टेम स्पीकर लोकसभा के पहले कुछ सत्रों की अध्यक्षता करेंगे और नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए चुनाव करवाएंगे। अध्यक्ष का चुनाव साधारण बहुमत से होता है, जिसका मतलब है कि भाजपा द्वारा चुने गए व्यक्ति के असफल होने की संभावना कम है। नए अध्यक्ष के चुने जाने के बाद प्रो-टेम स्पीकर का पद समाप्त हो जाता है, जिससे सत्र के बाकी हिस्सों में स्थिरता बनी रहती है।

राष्ट्रपति का संबोधन 27 जून को

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 27 जून को लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। वह अगले पांच साल के लिए नई सरकार का रोडमैप बता सकती हैं। यह संबोधन महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह सरकार की प्राथमिकताओं और योजनाओं को स्पष्ट करेगा। राष्ट्रपति का संबोधन आमतौर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है और सांसदों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि आने वाले समय में क्या अपेक्षित है।

भर्तृहरि महताब ने ली प्रोटेम स्पीकर की शपथ

लोकसभा चुनाव के बाद संसद का पहला सत्र सोमवार 24 जून से शुरू हो चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित नव-निर्वाचित सांसद शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलाई। महताब नए स्पीकर के नियुक्त होने तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। सत्र पहले दिन सबसे पहले प्रधानमंत्री मोदी समेत 280 सांसद शपथ लेंगे। दूसरे दिन 264 सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी। कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक में शामिल पार्टियां सात बार के सांसद महताब को प्रोटेम स्पीकार बनाए जाने से नाराज है। इंडिया ब्लॉक के सांसदों का कहना है कि यह नियुक्ति परंपरा को तोड़कर की गई है। 8 बार के कांग्रेस सांसद के सुरेश की जगह 7 बार के बीजेपी सांसद भ्रातृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया है।

बृजमोहन अग्रवाल ने सांसद पद की शपथ ली

बृजमोहन अग्रवाल ने सांसद पद की शपथ ली। 18 वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो गया है। सबसे पहले सदन में राष्ट्रगान हुआ,उसके बाद पिछले सदन के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद पीएम मोदी ने लोकसभा सदस्य की शपथ ली। मोदी के बाद उनकी कैबिनेट के लोकसभा सांसदों ने शपथ ली। सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लंच के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू हुई। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम जब शपथ के लिए बुलाया गया तो विपक्ष ने नीट-नीट,शेम-शेम बोलना शुरू कर दिया। विपक्ष नीट पेपर धांधली में उनके इस्तीफे की भी मांग कर चुका है। सत्र शुरू होने से पहले संसद पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- देश चलाने के लिए सबकी सहमति जरूरी है। हम सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। संविधान की मर्यादाओं का पालन करते हुए देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। देश को एक जिम्मदार विपक्ष की जरूरत है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

संसद सत्र के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल चल रहा है। कुछ देर पहले ही पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि 25 जून को देश के लोकतंत्र पर काला धब्बा लगाया गया था, लेकिन अब कोई भी आपातकाल लगाने की हिम्मत नहीं करेगा।

संसद सत्र के बीच परिसर में मार्च कर रहे हैं टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि संविधान का उल्लंघन किया जा रहा है. ये नरेंद्र मोदी की सरकार कर रही है।

सपा बनी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी

लोकसभा में विपक्ष की बेंच में अखिलेश यादव को मिली पहली कतार में सीट

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 37 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। इस कामयाबी के बाद सपा अब देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है.।लोकसभा में सपा को महत्वपूर्ण स्थान मिला है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को लोकसभा में विपक्ष की बेंच में पहली कतार में सीट मिली है. लोकसभा में अखिलेश यादव सदन के नेता प्रतिपक्ष वाली लाइन में बैठेंगे. समाजवादी पार्टी लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है, जिसके पास 37 लोकसभा सदस्य हैं.

धर्मेंद्र प्रधान ने उड़िया, सुरेश गोपी ने मलयालम भाषा में ली शपथ

ओडिशा के संभलपुर से सांसद और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उड़िया भाषा में शपथ ली। जैसे ही धर्मेंद्र प्रधान ने शपथ लेना शुरू किया तो विपक्षी सांसदों ने 'नीट-नीट' के नारे लगाए। बता दें कि देशभर में नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर बवाल मचा हुआ है। केरल से निर्वाचित होने वाले पहले भाजपा सांसद सुरेश गोपी ने भी 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। मलयालम भाषा में शपथ लेने से पहले उन्होंने भगवान को याद करते हुए 'कृष्णा गुरुवायुरप्पा' कहा। बता दें सुरेश गोपी पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री हैं। उन्होंने केरल के त्रिशूर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी। विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने संस्कृत भाषा में शपथ ली। नाइक ने उत्तरी गोवा निर्वाचन क्षेत्र से छठी बार जीत हासिल की थी।केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बंगाली भाषा में शपथ ली।

पुणे से सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने मराठी भाषा में शपथ ली

जम्मू कश्मीर की उधमपुर लोकसभा सीट से सांसद और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने डोगरी भाषा में शपथ ग्रहण की। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल असमी भाषा और केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने तेलगू भाषा में शपथ ली।केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने और प्रह्लाद जोशी ने कन्नड़ भाषा में शपथ ली।

कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलगू भाषा में शपथ ली

» कन्नड़,असमिया,तेलुगु,गुजराती, मराठी, मलयालम और संस्कृत में मंत्रियों ने शपथ ली।

केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और प्रह्लाद जोशी ने कन्नड़ में शपथ ली, जबकि धर्मेंद्र प्रधान और जुएल ओराम ने उड़िया भाषा में शपथ ली। एक अन्य केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने असमिया में और केन्द्रीय मंत्री के. राम मोहन नायडू और जी किशन रेड्डी ने तेलुगु भाषा में शपथ ली। केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने गुजराती भाषा में शपथ ली। वहीं, प्रताप राव जाधव ने मराठी और डॉ. जितेन्द्र सिंह ने डोगरी भाषा में शपथ ली। केन्द्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने मलयालम और सुकांता मजूमदार ने बंगाली भाषा में शपथ ली। केन्द्रीय मंत्री दुर्गा दास उइके ने संस्कृत में शपथ ली।

पेपर लीक कराने वाले गैंग्स का सेंटर बन गया है झारखंड

» दो साल में चार बड़े स्कैम आए सामने

रांची,24 जून 2024(ए)। पेपर लीक कराने वाले गैंग्स का झारखंड सेंटर बन गया है। पिछले दो सालों के भीतर झारखंड से पेपर लीक के चार बड़े स्कैम सामने आए हैं। 2024 के नीट-यूजी पेपर लीक स्कैम की जांच में झारखंड के दो दर्जन से ज्यादा लोगों की संलिप्तता सामने आ रही है। इसके पहले इसी साल जेएसएससी सीजीएल और बिहार शिक्षक नियुक्ति परीक्षा के पर्चे भी झारखंड से लीक हुए थे। नीट-यूजी मामले में बिहार ईओयू (इकनॉमिक ऑफेंसेज विंग) की अब तक की जांच में इस बात के प्रमाण मिल चुके हैं कि झारखंड के हजारीबाग स्थित एग्जाम सेंटर से पर्चा लीक हुआ था। पटना में इस परीक्षा के प्रश्न पत्र का जो अधजला अवशेष मिला था,उसके सीरियल कोड से खुलासा हुआ है कि यह प्रश्नपत्र हजारीबाग के मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल स्थित एग्जाम सेंटर में भेजा गया था। ईओयू की टीम ने हजारीबाग पहुंचकर स्टील के उन दो ट्रंक को जब्त किया है, जिनमें यहां प्रश्नपत्र भेजे गए थे। जांच में इस बात के साक्ष्य मिले हैं कि इन ट्रंक में छेड़छाड़ किया गया था। ट्रंक में दो अलग-अलग कुंडियां पाई गई हैं। इसके पहले शुक्रवार को ईओयू की टीम पेपर लीक मामले में झारखंड के देवघर से छह युवकों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बात के भी प्रमाण मिले हैं कि लीक किए गए पेपर रांची में मेडिकल पीजी के दस स्टूडेंट ने सॉल्व किए थे और फिर उन्हें परीक्षार्थियों तक भेजा गया था। पेपर लीक करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड माने जा रहे सिकंदर यादवेंदु नामक बिहार के जिस जेई को गिरफ्तार किया गया है, उसका रांची के बरियातू हाउसिंग कॉलोनी में आलीशान मकान है। उसने लंबे समय तक रांची में रहकर मेडिकल कॉलेज सहित कई विभागों में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क्स में ठेकेदारी की है।

इसके पहले झारखंड में 28 जनवरी को आयोजित हुई एसएससी-सीजीएल (कंबाइंड ग्रैजुएट लेवल) परीक्षा के पेपर लीक हो गए थे। इस पर भारी बवाल के बाद पुलिस ने झारखंड विधानसभा के अवर सचिव सज्जाद इमाम उर्फ मो. शमीम,उसके दो पुत्रों शाहनवाज हसन और शहजादा इमाम सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच में इस परीक्षा के पेपर 27 से 30 लाख रुपए में बेचे जाने की बात सामने आई थी। पुलिस इस मामले में चार्जशीट फाइल कर चुकी है। इसी साल मार्च महीने में बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की शिक्षक नियुक्ति परीक्षा का पेपर झारखंड के हजारीबाग से लीक हुआ था। यहां 300 से ज्यादा परीक्षार्थियों को गेस्ट हाउस में रुकवाकर प्रश्नों के उत्तर रटवाए गए थे। इस रैकेट का खुलासा बिहार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), बिहार पुलिस और झारखंड पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में हुआ था। इस मामले में कुल 313 अभ्यर्थियों सहित पेपर लीक और सॉल्वर गैंग से जुड़े एक दर्जन लोगों को जेल भेजा गया था।

वर्ष 2022 के जुलाई में झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी) में जूनियर इंजीनियरों के 1289 पदों पर नियुक्ति के लिए आयोजित परीक्षा का भी पेपर हो गया था। इस मामले में आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसकी जांच आज भी जारी है।

अरविंद केजरीवाल को एससी से नहीं मिली राहत

नई दिल्ली,24 जून 2024(ए)। शराब घोटाला मामले में जमानत पर रोक खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। फिलहाल केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार करने को कहा। अब इस मामले में बुधवार यानी 26 जून को सुनवाई होगी।

एक जुलाई से लागू होंगे आरबीआई के नए नियम

» बदल जाएगा क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट का तरीका

नई दिल्ली,24 जून 2024(ए)। अगर आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बिल पेमेंट के लिए करते हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है। दरअसल, जून का महीना खत्म होने में महज कुछ ही दिन बचे हैं इसके बाद जुलाई का महीना शुरू हो जाएगा। जुलाई का महीना शुरू होते ही क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट करने वाले लोगों के लिए बड़े अपडेट आ रहे हैं। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर आरबीआई के कुछ नियम लागू होने वाले हैं जिनका सीधा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड के जरिए बिल पेमेंट का इस्तेमाल करते हैं।इसका मकसद पेमेंट के प्रोसेस को सुव्यवस्थित करना और इसकी सुरक्षा बढ़ाना है। कुछ प्लेटफॉर्म के जरिये क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट में मुश्किल हो सकती है.।

इनमें क्रेड, फोन-पे, बिलडेस्क जैसे कुछ प्रमुख फिनटेक शामिल हैं.रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने निर्देश दिए हैं कि 30 जून के बाद सभी क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए से प्रोसेस की जानी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बीबीपीएस एक्टिवेट नहीं किया है। वहीं इन बैंकों ने अभी तक निर्देशों का पालन भी नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट एक्टिव किया है।

मुठभेड़ में दो बैंक लुटेरे ढेर

वारदात से पहले हुई कार्रवाई

मुजफ्फरपुर,24 जून 2024 (ए)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बैंक लूट से पहले ही बदमाशों की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। सोमवार (24 जून) को यह घटना सिवाईपट्टी के बनघारा इलाके में हुई है। इंडियन बैंक के पास कुछ बदमाश लूट का प्लान कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस पहुंच गई.। दोनों तरफ से गोलियां चल गई। दो बदमाशों को पैर में गोली लगी है। बताया जाता है कि एसकेएमसीएच में दोनों का इलाज चल रहा है। घायल हुए बदमाशों का आपराधिक इतिहास रहा है। घायलों का नाम सुंदरम और दीपू बताया जा रहा है।

अंतिम संस्कार में गए शख्स को सर्प ने डसा

» जिंदा सांप को पकड़कर अस्पताल पहुंच गया युवक

पन्ना,24 जून 2024(ए)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अजयगढ़ में एक अनोखा और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिसे देख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीज, उनके परिजन व अस्पताल का स्टाप आश्चर्यचकित रह गया। कुछ लोग तो डर कर अस्पताल के बाहर चले गए।

दरअसल, अजयगढ के माधौगंज में रहने वाला बबलू सोनकर पिता बैजू सोनकर (24) अपने रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने पन्ना रोड स्थित श्मसान घाट पहुंचा था। जहां अचानक युवक के पैर में एक विषैले सांप ने काटा और भागने लगा। युवक को जब दर्द हुआ और उसने देखा कि उसे सांप ने काट लिया है तो तत्काल युवक ने हिम्मत दिखाते हुए रिस्तेदारो की मदद से काटने बाले सांप को ही पकड़ लिया। फिर अपने साथ बोरी में भरकर अजयगढ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद पहुंच गया। जिससे वहां हड़कंप मच गया। युवक ने डॉक्टर को सांप के काटने की जानकारी दी और किस सांप ने काटा है डॉक्टर को भी दिखाया। डॉक्टरों के द्वारा युवक का इलाज शुरू कर दिया गया है, फिलहाल युवक स्वस्थ बताया जा रहा है। इस घटना को देखने के लिए लोगों का तांता लग गया।

CMYK

संपादकीय

शांति शिखर सम्मेलन

रूस यूक्रेन युद्ध की समाप्ति का रास्ता तलाशने के उद्देश्य से इस सप्ताह के अंत में स्विट्जरलैंड में एक शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें करीब 90 देशों ने हिस्सा लिया।विश्लेषकों का मानना है कि दो वर्षों के बाद युद्ध विराम को लेकर आयोजित इस शांति शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यथार्थपरक है, लेकिन यह आकलन वास्तविकता से कई अर्थों में भिन्न है। सम्मेलन में करीब 100 प्रतिनिधिमंडल आये थे, जिनमें से ज्यादातर पश्चिमी देशों से थे और ये सभी रूस विरोधी थे। यह शिखर सम्मेलन युद्ध विराम और शांति स्थापित करने के उद्देश्य से कोसों दूर इसलिए भी रहा है इसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया।रूस सबसे महत्त्वपूर्ण हितधारक है और जब तक रूस और यूक्रेन वार्ता की मेज पर एक साथ नहीं बैठेंगे तब तक शांति का कोई परिणाम ही सामने नहीं आएगा। इस शांति शिखर सम्मेलन से ठीक पहले जी-7 देशों के सम्मेलन में दुश्मन देश रूस की जब्त 4177 अरब रुपए की संपत्ति यूक्रेन को देने की घोषणा की गई है। यूक्रेन को एक तरफ नाटो देश हथियार दे रहे हैं और दूसरी ओर अमेरिका लगातार फंड दे रहा है। अमेरिका बार-बार कह रहा है कि यूक्रेन को इस तरह की मदद लगातार मिलती रहेगी।अब अगर जी-7 देशों की घोषणा के मुताबिक रूस की जब्त संपत्ति यूक्रेन को दी गई तो एक नया मोर्चा खुल जाएगा। यह दो दिवसीय शांति सम्मेलन था। अंतिम दिन यानी रविवार को एक साझा बयान जारी किया गया जिसमें यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता बरकरार रखने की शर्त को मुख्य आधार बनाया गया है।भारत सहित 12 देशों ने इस शर्त को नामंजूर करते हुए साझा बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इन देशों का मानना है कि इस शर्त से टकराव की स्थिति बनी रहने की आशंका है। भारत ने सार्वजनिक रूप से कभी भी रूस को आक्रामक देश नहीं कहा है जैसा कि पश्चिमी देश मानते हैं।पिछले दिनों एक जनमत सर्वेक्षण में यह बात सामने आई थी कि यूक्रेन की एक बड़ी आबादी का विजय के संदर्भ में निराशावादी रुख है। वे सीमित युद्ध परिणामों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। यह भी सत्य है कि दो साल से जारी इस भीषण युद्ध के बाद भी जेलेंस्की और पुतिन दोनों के लिए विजय मृगतृष्णा बनी हुई है। युद्ध विराम और शांति स्थापित करने के लिए पश्चिमी देशों को स्वप्नद्रष्टा होने की बजाय जमीनी हकीकत को समझना होगा।

नीट परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्न चिन्ह

देश के प्राइवेट और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए) नीट परीक्षा आयोजित कराती है । (नेशनल एलिजिबिलिटी और इन्टरैंस टेस्ट) । इस वर्ष यह परीक्षा 7 मई को आयोजित हुई थी । परीक्षा के तत्काल बाद अनेक शहरों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा रद्द करके पुनः परीक्षा की मांग की । शुरू में तो केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने परीक्षा की पवित्रता पर प्रश्नचिन्ह उठाने वालों को नकारा । पर जैसे-जैसे समय बीतता गया मालूम हुआ कि वास्तव में पेपर लीक हुआ था । पिछले दिन बिहार में पकड़े गये एक छात्र ने बतलाया कि परीक्षा से पहली रात उसे जिन प्रश्नों के उत्तर रटवाये गये थे, अगले दिन परीक्षा में हू-ब-हू वही प्रश्न आये । इस छात्र का कहना है कि उसके फूफा ने उसे एक रात पहले कोटा से पटना बुलाया और उसे बिचौलिए ने लगभग 25-30 लाख रुपये लिये । अब पुलिस को धरपकड़ में और भी छात्र-छात्राओं ने स्वीकारा कि उन्हें पर्चा पहले से मालूम था ।असल में टेस्ट की पूरी प्रक्रिया क्या है ? किसी एक व्यक्ति से पहले पेपर बनवाया जाता है । अब कहा जा रहा है कि कई व्यक्ति पेपर बनाते हैं और फिर कोई एक वरिष्ठ इन सभी प्रश्न पत्रों को मिलाकर एक नया पेपर तैयार करता है । इस व्यक्ति की विश्वसनीयता पर कोई शक नहीं कर सकता क्योंकि यह व्यक्ति बहुत वरिष्ठ और निष्ठावान होता है । अब प्रश्न पत्र टाइपकिया जाता है । कहा जाता है कि जो इसे टाइप करता है उसे परीक्षा होने तक एक प्रकार से कैद में रखा जाता है । या उस पर पूरी निगरानी रखी जाती है । अब प्रश्न पत्र छपने के लिए किसी प्रिंटिंग प्रेस को भेजा जाता है । इस प्रेस का नाम भी कोई नहीं जान सकता ।फिर पेपर कहां से लीक होता है? कहते हैं कि विभिन्न केन्द्रों में जो पेपर पहले भेज दिये जाते हैं, उन केन्द्रों से कहीं पेपर पहले खोल कर उसे लीक किया जाता है । यद्यपि यह भी असंभव लगता है क्यों कि परीक्षा के दिन पेपर पर पर्यवेक्षकों के सामने खोल जाता है और उनके हस्ताक्षर लिये जाते हैं । फिर हर सेंटर पर एन.टी.ए. का एक प्रतिनिधि भी रहता है ? शायद पेपर बनाने वाले या टाइप करने वाले या केन्द्र से पेपर लीक होता है । इसकी जो जांच हो रही है वह गोपनीय है । अतः विश्वास पूरक यह कहना कठिन है कि पेपर कहीं से लीक होता है । बिहार, गुजरात और अन्यत्र पकड़े गये लड़के और लड़कियों ने स्वीकारा है कि उन्हें परीक्षा की पहली रात पेपर रटाया गया था,अब कहते हैं कि इस माफिया ग्रुप को कई करोड़ का लेन-देन प्रकट हुआ है ।यह प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा है । 20 जून को हुई सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद अब आगामी तारीख 7 जुलाई को दी गई है । सुप्रीम कोर्ट ने चयन के लिए होने वाले साक्षात्कार पर रोक लगाने से अभी मना कर दिया है । पर जिस तरह से कुछ छात्रों ने पेपर लीक को स्वीकारा है तो क्या यह परीक्षा रद्द होगी । चलते-चलते खबर आई है कि यू.जी.सी. की नेट परीक्षा जो 16 जून को हुई थी उसे यू.जी.सी. ने निरस्त कर दिया है क्योंकि मंत्रालय को शक है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है । असल में इस परीक्षा के लिए विद्यार्थी बहुत मेहनत करता है । जो ज्यादा अंक पाते हैं उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज मिल जाता है । यहां फीस भी कम लगती है और पढ़ाई का स्तर भी काफी ऊंचा है । प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फीस कई गुना ज्यादा है और वहां की फैकल्टी भी उतनी अच्छी नहीं होती । इससे आगे चलकर उस विद्यार्थी को पी.जी. में प्रवेश भी नहीं मिल पाता । सरकारी मेडिकल कॉलेज में पढ़े हुए को नौकरी भी अच्छे अस्पतालों में मिल जाती है ।कुल प्रश्न बच्चों की मेहनत का है । कोटा या अन्यत्र इतना पैसा खर्च करके विद्यार्थी जो तैयारी करता है, वह व्यर्थ जाती है यदि परीक्षा रद्द कर दी जाती है । आगे आने वाले दिनों में ही पता चलेगा कि सरकार क्या निर्णय लेती है और सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला सुनाता है ।

-अजय दीक्षित-

विश्व विटिलिगो डे 25 जून पर विशेष

त्वचा में सफेद धब्बे की बीमारी से बचाव

संजय गोस्वामी
मुंबई, महाराष्ट्र

हर साल 25 जून को विश्व विटिलिगो डे, त्वचा पर सफेद दाग (पैच) के प्रति जनजागरूक व इसके निदान हेतु मनाया जाता है नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार, विटिलिगो के कारण त्वचा में जो धब्बे या पैच बनते हैं, वे स्थायी होते हैं। इन्हें पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है। हालांकि, उनकी उपस्थिति को कम जरूर किया जा सकता है। अगर पैच छोटे हैं, तो इन्हें ढकने के लिए क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट के कारण होती है, जो त्वचा की कोशिकाओं को उनका प्राकृतिक रंग देने में मदद करता है। नेशनल हेल्थ सर्विस के अनुसार जब विटिलिगो की स्थिति होती है, तो व्यक्ति की त्वचा में मेलेनिन का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त मेलानोसाइट्स नहीं होते हैं। जब इनकी कमी होती है तो इसकी वजह से त्वचा या बालों पर सफेद धब्बे विकसित होने लगते हैं। इसके अलावा, कुछ ऑटोइम्यून स्थितियां भी इस बीमारी के विकास में योगदान दे सकती हैं। ऑटोइम्यून स्थितियों में व्यक्ति प्रतिरक्षा प्रणाली ठीक से काम नहीं करती है। इस तरह की स्थिति में हमारी इम्यूनिटी बाहरी वायरस से लड़ने के बजाए शरीर की कोशिकाओं को ही नुकसान पहुंचाने लगती है। यह मेलानिन बनाने वाली मेलानोसाइट स्किन कोशिकाओं को भी नष्ट कर देती है। साथ ही, अन्य ऑटोइम्यून स्थिति हैं जैसे थायराइड भी विटिलिगो के विकास में योगदान दे सकता है।

विटिलिगो त्वचा में सफेद पैच और धब्बे से होने वाली एक गंभीर स्थिति है, जो त्वचा में स्थायी रूप से रह सकती है। इसकी वजह से त्वचा की रंगत खराब हो जाती है। त्वचा की जगह-जगह से सफेद पड़ने लगती है। आपने कुछ लोगों को देखा होगा जिनकी त्वचा में सफेद धब्बे या पैच दिखाई देते हैं। उनकी त्वचा की रंगत भिन्न हो जाती है। उनकी त्वचा कई जगहों पर सफेद पड़ने लगती है। यह सफेद पैच आमतौर पर चेहरे, गर्दन और हाथों पर नजर आते हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि आखिर इस असमान रंगत का कारण क्या है? आपको बता दें कि यह स्थिति सामान्य नहीं है। यह एक गंभीर बीमारी है जिसे विटिलिगो कहते हैं। यह एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें त्वचा पर सफेद रंग के धब्बे विकसित होने लगते हैं। यह स्थिति तब विकसित होती है, जब त्वचा में मेलेनिन की कमी होने लगती है। यह एक पिगमेंट होता है, जो त्वचा के लिए जिम्मेदार होता है। विटिलिगो शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, इस स्थिति के पीछे कई अन्य कारण भी जिम्मेदार हो सकते हैं। त्वचा में सफेद धब्बे की बीमारी कैसे हो जाती है, इस लेख में हम आपको इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।कुछ लोगों में, विटिलिगो के स्पष्ट किनारियों वाले एक-दो चकत्ते बन जाते हैं। अन्य लोगों में शरीर के बड़े भाग पर चकत्ते हो जाते हैं। बहुत कम मामलों में विटिलिगो त्वचा की ज़्यादातर सतह पर होता है। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों में ये बदलाव एकदम साफ़ दिखाई देते हैं। आम तौर पर प्रभावित अंगों में चेहरा, हाथों और पैरों की अंगुलियाँ, कलाइयाँ, कुहनियां, घुटने, हथेलियाँ, पिंडलियों का अगला भाग, टखने, बगलें, गुदा, और जननांग वाला स्थान, नाभि, और निपल शामिल हैं। प्रभावित त्वचा सनबर्न (धूप से झुलसने) के प्रति बहुत ज़्यादा असुरक्षित होती है। विटिलिगो से प्रभावित त्वचा में उगने वाले बाल भी सफ़ेद होते हैं, क्योंकि हेयर फ़ॉलिकल में से भी मेलेनोसाइट ख़त्म हो जाती हैं।

विटिलिगो का कारण अज्ञात है,लेकिन यह स्किन पिगमेंटेशन का एक ऐसा विकार है जिसमें प्रतिरक्षा तंत्र द्वारा मेलेनिन नाम के स्किन पिगमेंट (मेलेनोसाइट) पर हमला शामिल हो सकता है। विटिलिगो अक्सर एक से दूसरी पीढ़ी में जाता है या लोगों में यह अपने-आप हो सकता है। विटिलिगो कुछ अन्य रोगों के साथ हो सकता है। विटिलिगो का ऑटोइम्यून विकारों (जब शरीर अपने ही ऊतकों पर हमला कर देता है) से संबद्ध है, जिनमें से थायरॉइड रोग सबसे आम है। यह अधिक सक्रिय थायरॉइड (हाइपर थायरॉइ डिज़्म, विशेष रूप से तब जब ग्रेव्स रोग के कारण हो) और कम सक्रिय थायरॉइड (हाइपर थायरॉइ डिज़्म, विशेष रूप से तब जब हाशिमोटो थायरॉइडाइटिस के कारण हो) से सबसे सशक्त रूप से संबद्ध है। डायबिटीज़, एडिसन रोग, और पर्नीशियस एनीमिया से ग्रस्त लोगों में भी विटिलिगो होने की थोड़ी अधिक संभावना होती है। हालांकि, इन विकारों और विटिलिगो के बीच का संबंध स्पष्ट नहीं है।

मेलेनोसाइट नाम की विशेष कोशिकाएँ मेलेनिन नाम के पिगमेंट बनाती हैं। मेलेनोसाइट एपिडर्मिस की सबसे गहरी परत, जिसे बेसल परत कहते हैं, उसमें मौजूद कोशिकाओं से पैदा होती हैं।

कभी-कभी, त्वचा को चोट लगने के बाद, जैसे किसी रसायन से जलने या सनबर्न की प्रतिक्रिया में विटिलिगो हो जाता है। विटिलिगो भावनात्मक तनाव की किसी घटना से भी सक्रिय हो सकता है। कुछ लोगों में,विटिलिगो के स्पष्ट किनारियों वाले एक-दो चकत्ते बन जाते हैं। अन्य लोगों में शरीर के बड़े भाग पर चकत्ते हो जाते हैं। बहुत कम मामलों में विटिलिगो त्वचा की ज़्यादातर सतह पर होता है। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों में ये बदलाव एकदम साफ़ दिखाई देते हैं। आम तौर पर प्रभावित अंगों में चेहरा, हाथों और पैरों की अंगुलियाँ, कलाइयाँ, कुहनियां, घुटने, हथेलियाँ, पिंडलियों का अगला भाग, टखने, बगलें, गुदा, और जननांग वाला स्थान, नाभि, और निपल शामिल हैं। प्रभावित त्वचा सनबर्न (धूप से झुलसने) के प्रति बहुत ज़्यादा असुरक्षित होती है। विटिलिगो से प्रभावित त्वचा में उगने वाले बाल भी सफ़ेद होते हैं, क्योंकि हेयर फ़ॉलिकल में से भी मेलेनोसाइट ख़त्म हो जाती हैं।विटिलिगो की खास दिखावट से इसकी पहचान हो जाती है।

विटिलिगो और त्वचा का रंग हल्का करने वाले अन्य कारणों के बीच अंतर करने में मदद के लिए, अक्सर वुड लाइट जांच की जाती है। अन्य टेस्ट, जिनमें त्वचा बायोप्सी शामिल हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को चुनौती

अलूनेवे माओवादी हिंसा को दरकिनार करके इसे गरीब आदिवासियों का विद्रोह कहती हैं। करीब डेढ़ दशक पहले उन्होंने रेड कॉरिडोर के केंद्र माने जाने वाले बस्तर की गुपचुप यात्रा की और दंडकारण्य में माओवादियों के साथ काफी वक्त बिताया।वे माओवादियों को भाई,साथी या कॉमरेड कह कर लाल सलाम कहने में फख्र महसूस किया करती थीं। उन्हें संविधान और लोकतंत्र आदिवासियों की खिलाफत का अस्त्र नजर आता है। 1997 में प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार से सम्मानित अरुंधती रॉय अपनी किताब वॉकिंग विद द कॉमरेड्स' में लिखती हैं-भारतीय संविधान, जो भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है, संसद द्वारा 1950 में लागू किया गया। यह जनजातियों और वनवासियों के लिए दुःख भरा दिन था। संविधान में उपनिवेशवादी नीति का अनुमोदन किया गया और राज्य को जनजातियों की आवास भूमि का संरक्षक बना दिया गया। मतदान के अधिकार के बदले में संविधान ने उनसे आजीविका और सम्मान के अधिकार छीन लिए।'अरुंधती अपनी इस किताब में माओवादियों को आंतरिक सुरक्षा का खतरा बताए जाने का मखौल उड़ाती हैं। भारत की यह ख्यात लेखिका मानवाधिकार के मुद्दों पर सरकार पर हमले करने से परहेज नहीं करतीं। अरुंधती कश्मीर में तैनात फौज को जनता की दुश्मन बताती हैं। उन्हें संसद पर हमले के प्रमुख आरोपी अफजल गुरु से हमदर्दी रही। अपने ब्लॉग में वह भारत की पूरी न्याय प्रक्रिया पर कटाक्ष करते हुए कहती हैं-लेकिन अब जब अफजल गुरु को फांसी दे दी गई है, तो मुझे उम्मीद है कि हमारी सामूहिक अंतरात्मा संतुष्ट हो गई होगी। या फिर हमारे खून का प्याला अभी भी आधा ही भरा है?' 2010 में राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम में उन्होंने सार्वजानिक रूप से कहा-कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था और उस पर भारत के सशस्त्र बलों ने जबरन कब्जा कर लिया था।'कश्मीर की पृथकतावादी ताकतों के लिए अरुंधती पसंदीदा चेहरा हैं, और उनके विचारों को वे भारत के बौद्धिक वर्ग की आवाज कह कर दुनिया भर में प्रचारित करते हैं। 2010 में दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया था। उन पर भारत विरोधी भाषण देने और कश्मीरी अलगाववाद का समर्थन करने का आरोप लगाया गया। अब अरुंधती रॉय के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत मुकदमा चलेगा। अरुंधती अच्छी लेखिका हैं, और उन्हें पसंद करने वाले देश-विदेश के कई लोग हैं, जिन्हें लगता है कि अरुंधती पर मुकदमा कायम करना,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रोकने जैसा है। 2023 के फ्रैंकफर्ट पुस्तक मेले में सलमान रुश्दी ने अरुंधति पर मुकदमा चलाने के कदमों की आलोचना करते हुए कहा था-वह भारत की महान लेखिकाओं में से एक हैं, और बहुत ईमानदार और जुनूनी इंसान हैं। उन मूल्यों को व्यक्त करने के लिए उन्हें अदालत में लाने का विचार शर्मनाक है।'भारत की विविधता और जटिलता में बहुत सारे विरोधाभास हैं, और इसे स्वीकार भी किया जाना चाहिए। अरुंधती ने अपनी लेखनी और आंदोलनों में हिस्सा लेकर इन्हें समाज के सामने लाने में महती भूमिका निभाई है। आजादी और स्वतंत्रता की पक्षधर इस लेखिका को 45वें यूरोपीय निबंध पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। अरुंधती भारतीय लेखिका के रूप में देश-विदेश में आमंत्रित की जाती हैं, लेकिन वे अक्सर भारत की छवि को निरंकुशता के करीब ले आती हैं। अरुंधती गरीब आदिवासियों के लिए भारतीय संविधान को शोषण के अस्त्र के रूप में प्रस्तुत करते हुए दिखाई पड़ती हैं।संविधान का अवलोकन करें तो उनके दावों से उलट आदिवासियों की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए कई उपबंध शामिल किए गए हैं। अनुच्छेद 15(4) अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक उन्नति के लिए विशेष प्रावधान सुनिश्चित करता है। अनुच्छेद 46, राज्य को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने और उन्हें सामाजिक अन्याय एवं सभी प्रकार के शोषण से संरक्षित करने का निर्देश देता है। अनुच्छेद 350 विशिष्ट भाषाओं, लिपियों या संस्कृतियों के संरक्षण के अधिकारों का प्रावधान करता है। लोकतांत्रिक देश में व्यापक प्रतिनिधित्व के लिए संविधान में संसद और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। संविधान की पांचवी अनुसूची के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान भूमि अधिग्रहण आदि के कारण जनजातीय आबादी के विस्थापन के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं।भारत का रेड कॉरिडोर का क्षेत्र सशस्त्र विद्रोह के लिए जाना जाता है, और यह इलाका हिंसाग्रस्त रहा है। अरुंधती आदिवासियों के हितों के लिए मुखर रहें, यह उनका अधिकार है लेकिन संविधानिक तंत्र को शोषित वर्ग के खिलाफ प्रचारित करने की उनकी कोशिशें भारत की आंतरिक शांति को भंग करती दिखाई पड़ती है। भारत का संविधान अभिव्यक्ति की आजादी को देश के रचनात्मक विकास के लिए जरूरी तो बताता है लेकिन देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए भी सजग है। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-ए में देश की एकता एवं अखंडता को हानि पहुंचाने के प्रयास को देशद्रोह के रूप में परिभाषित किया गया है। देशद्रोह के अंतर्गत शामिल हैं, सरकार विरोधी गतिविधि और उसका समर्थन, देश के संविधान को नीचा दिखाने का प्रयास और कोई ऐसा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष, लिखित या मौखिक कृत्य जिससे सामाजिक स्तर पर देश की व्यवस्था के प्रति असंतोष उत्पन्न हो। अरुंधती ने अपने एक लेख में कहा था-एक मछुआरे के लिए यह मान लेना कितना गलत है कि वह अपनी नदी को अच्छी तरह जानता है।' दरअसल, अरुंधती को भारत, उसके विरोधाभास,समस्याएं, संविधान और लोकतंत्र को ठीक तरीके जानने और समझने की जरूरत है। वे महात्मा गांधी की भूमिका और उनके कद की आलोचना भी कर चुकी हैं। उन्होंने गांधी के उस संदेश को समझने का प्रयास ही नहीं किया कि सामाजिक न्याय की समस्याओं के हल लोकतांत्रिक और अहिंसा के रास्ते भी तलाशे जा सकते हैं। अरुंधती रॉय और उन जैसे बुद्धिजीवी अभिव्यक्ति की आजादी का कवच धारण कर संविधानिक ढांचे और लोकतंत्र को अक्सर चुनौती देते हैं। यह उनका अधिकार हो सकता है, लेकिन देश उनसे बेहतर नागरिक होने की भी अपेक्षा करता है।

-डॉ. ब्रह्मदीप-

लघुकथा

सामाजिक प्रयोग

ओतेरी सेल्वा कुमार
-चेन्नई
तमिलनाडु-

प्रसिद्ध समाजशास्त्री डॉ. एम्मा टेलर का एक क्रांतिकारी विचार था। एक ऐसा सामाजिक प्रयोग बनाना जो यह साबित कर दे कि प्यार सभी को जीत सकता है, यहां तक कि डिजिटल युग में भी। उसने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से 20 अजनबियों को भर्ती किया और उन्हें यादृच्छिक रूप से जोड़ा। शिकार? वे व्यक्तिगत रूप से मिले बिना,केवल सोशल मीडिया के माध्यम से संवाद करते थे। यह प्रयोग छह महीने तक चलेगा और जोड़े एक निजी मंच पर अपनी यात्रा का दस्तावेजीकरण करेंगे।प्रतिभागियों में जैक, एक अंतर्मुखी लेखक और सोफिया, एक मुक्त-उत्साही कलाकार थे। उनकी शुरुआती बातचीत अजीब थी, लेकिन धीरे-धीरे वे एक-दूसरे से खुलने लगे।जैसे-जैसे सप्ताह बीतते गए, जैक और सोफिया एक-दूसरे के करीब आते गए और अपनी आशाएँ, भय और सपने साझा करते रहे। उन्होंने हर सुख-दुख में एक-दूसरे का साथ दिया और उनका रिश्ता गहरा हो गया। इस बीच, अन्य जोड़ों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कुछ लोग विश्वास के मुद्दों से जूझते रहे, जबकि अन्य परस्पर विरोधी मूल्यों से जूझते रहे। एम्मा ने गतिशीलता से मंत्रमुग्ध होकर उनका अवलोकन किया और उनका मार्गदर्शन किया। जैसे-जैसे प्रयोग अपने अंत के करीब आया, एम्मा ने एक मोड़ का खुलासा किया- जोड़े अंततः व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे। जैक और सोफिया घबराये हुए थे लेकिन उत्साहित भी थे।

पुनर्मिलन का दिन आ गया, और जोड़े एक खूबसूरत विला में एकत्र हुए। जैक और सोफिया की आँखें बंद हो गईं और उनका आभासी संबंध वास्तविक जीवन की चिंगारी में बदल गया। अन्य जोड़ों को भी अपनी पहली मुलाकात में जादू मिल गया। कुछ खुशी के आँसू रोए, जबकि अन्य नए दोस्तों के साथ हँसे। एम्मा के प्रयोग ने साबित कर दिया था कि डिजिटल युग में प्यार सचमुच पनप सकता है। जैक और सोफिया की प्रेम कहानी आशा की किरण बन गई, जिसने दूसरों को सामाजिक संबंधों की शक्ति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्यार की कोई सीमा नहीं होती, आभासी दुनिया में भी नहीं। कभी-कभी, बस थोड़े से साहस और जुड़ने की इच्छा की आवश्यकता होती है। हाँ.मुझे भी!!!

लोकसभा का अगला स्पीकर कौन?

नई संसद का पहला सत्र 24 जून से शुरू हो गया है । 26 जून को लोकसभा के लिए स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद के लिए चुनाव होगा । परम्परा के अनुसार डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिया जाता है । परन्तु पिछली लोकसभा में कोई भी अधिकृत विपक्ष का नेता नहीं था क्योंकि उसके पर्याप्त संख्या में लोकसभा में सदस्य नहीं थे । शुरू-शुरू में जनता दल (यूनाइटेड) ने रेलवे और वित्त मंत्रालय की मांग की थी, तेलगुदेशम ने स्पीकर का पद चाहा था । परन्तु भाजपा स्पीकर का पद अपने पास रखना चाहती है । असल में किस सदस्य को निष्कासित करना या किसी दल में टूटन की स्थिति में कौन असली पार्टी है, किसके पास चुनाव चिन्ह रहेगा, स्पीकर तय करता है । पिछले दिनों हुई बैठक में जिसमें एन.डी.ए. के सहयोगी दलों के सदस्य थे, उन्होंने सर्वसम्मति से स्पीकर पद पर भाजपा के चुनने का अधिकार दे दिया है । भाजपा ने उदारता दिखलाते हुए डिप्टी स्पीकर का पद अन्य सहयोगी दलों को देना तय हुआ है । ऐसी स्थिति में विपक्ष स्पीकर के लिए अपना उम्मीदवार उतार सकती है, यद्यपि संख्या बल को देखते हुए उसका जीतना असंभव है । असल में स्पीकर का आसन बहुत जिम्मेदारी का होता है। सभी सदस्यों को उसके प्रति उदारता दिखलानी चाहिए । परन्तु इस चुनाव में दोनों पक्षों की ओर से जैसा प्रचार हुआ, उसे कड़वाहट और बढ़ गई और विपक्ष अपना उम्मीदवार जरूर उतारेगी । यद्यपि उसके जीतने के कोई चांस नहीं है, फिर भी इससे स्पीकर पद की गर्म में तो कमी आयेगी ही ।असल में शायद भाजपा पुनः ओम बिरला को चुनना पसंद करे और डिप्टी स्पीकर के लिए तेलुगु देशम की किसी महिला को यह पद देना चाहेंगे । चन्द्रबाबू नायडू की पत्नी दग्गुबाती पुरंदेश्वरी का नाम स्पीकर पद के लिए लिया जा रहा था, पर वे इतनी सीनियर हैं कि डिप्टी स्पीकर का पद शायद ही स्वीकार करें ।जब कोई दल टूटता है तो स्पीकर का निर्णय अहम हो जाता है । महाराष्ट्र में शिवसेना की टूटने पर स्पीकर ने अपना फैसला डाले रखा,और चाहा कर भी सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल नहीं दे सका कि यह आरोप न लगे कि स्पीकर के अधिकार का सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण किया है ।यूं कहने के लिए यह एन.डी.ए. की सरकार है परन्तु असल में यह भाजपा की ही सरकार है । मंत्री पद के बंटवारे से यह बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई है । असल में जे.डी.यू. के 12 और तेलुगु देशम के 16 सदस्यों के अलावा शेष दल के मात्र एक-एक सांसद हैं और सभी को मंत्री पद मिल गये हैं । वे किस बलबूते पर बगावत कर सकते हैं । भाजपा 240 सीटें जीतकर बहुमत के आंकड़े से 32 काम हैं । परन्तु अनेक स्वतंत्र उम्मीदवारों ने भाजपा का समर्थन किया है । ऐसे में अन्य दलों में नरेंद्र मोदी की पर्सनेलिटी के बराबर कोई टिक ही नहीं सकता । इस कारण इस तीसरे कार्यकाल में भी मोदी जी उसी तत्परता से अपना लक्ष्य पूरा कर सकेंगे, जैसे वे पिछले कार्यकालों में कर चुके हैं ।असल में 400 पर का नारा और भाजपा को 370 के नारे ने लोगों में उदासीनता भर दी थी । फिर इस भयंकर गर्मी में बहुत से भाजपा के समर्थक वोट डालने गये ही नहीं । इसी कारण इस बार वाराणसी से नरेंद्र मोदी जी को उतने मतों से बढ़त नहीं मिली जितने पहले और दूसरे कर्यकाल के दौरान मिली थी ।मोदी जी का करिश्मा ही कुछ ऐसा है, कि लोग अपने को मोदी का परिवार मानते हैं । फिर उनकी कर्मठता और निष्ठा के सामने कोई भी विपक्ष का नेता टिक नहीं पाता । विपक्ष वैसे भी खंडित है, तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा । मायावती ने विपक्ष को ज्वाइन ही नहीं किया यद्यपि इस बार लोकसभा में उनका कोई उम्मीदवार नहीं है ।असल में जिस तेजी से विभिन्न क्षेत्रों में देश में विकास हो रहा है, उसको देखते हुये तो सभी को एक होकर भारत के विश्व गुरु बनने में मदद करनी चाहिए, क्योंकि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से बढ़कर देश का विकास पहले है ।

-संजय दीक्षित-

शाला प्रवेशोत्सव

श्याम सुंदर साहू
प्राचार्य
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

नया शिक्षा सत्र की,
शुरूआत होगी कल।
स्कूलों में बच्चों की,
फिर होगी हलचल।।
स्कूल जाने के लिए,
सब बच्चे हैं तैयार।
स्कूल के खुलने का,
कर रहे हैं इंतजार।।
प्रवेश उत्सव के दिन,
खीर पुड़ी खूब खाएंगे।
पाठ्यपुस्तक व गणवेश,
निशुल्क हम पाएंगे।।
अब रोज स्कूल जाएंगे,
जाकर खूब पढ़ाई करेंगे।
माता-पिता व शिक्षक का,
नाम रोशन हम करेंगे।।
स्कूल जाने के लिए,
साइकिल भी मिलेगा।
छात्रवृत्ति के साथ-साथ,
मध्यान्ह भोजन मिलेगा।।
सब शिक्षक मिलकर,
शिक्षा का दीप जलाएंगे।
बच्चों के भविष्य को,
बेहतर हम बनाएंगे।।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

स्कूल खुलही अब मैं पढ़हे लिखे बर जाहूं

कृष्णा चौहान
अमेरी, बरमकेला
सारंगढ़-बिलाईगढ़
छत्तीसगढ

स्कूल खुलही अब
मैं पढ़हे लिखे बर जाहु
स्कूल खुलही अब,
मैं पढ़हे लिखे बर जाहु !
पढ लिख के एको दिन
अफसर बन जाहु!
नहा धोके ड्रेस पहनहु,
टाई बेल्ट लगाहु!
मां बाप के पाव छुहू,
बस्ता लेके स्कूल जाहु!
खुशी खुशी स्कूल पहुंच के,
गुरुजी मन के पाव छुहू!
संगी साथी मन संग,
घुल मिल के गोठियाहू!
सबले पहली प्रार्थना ,
फिर सुविचार बोलहु!
फ्री में पुस्तक मिलही,
सबों विषय ला पढ़हु!
खाए के समय में,
दार भात साग खाहु!
खेल घंटी में खो कब्बड़ी,
क्रिकेट करम लुडू खेलहु!
पढ़ लिख के मां बाप के,
नाम रोशन करहु!
स्कूल खुलही अब,
मैं पढ़हे लिखे बर जाहु !

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मानव को मानव नजर नहीं आता

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा ,
राजस्थान

मानव को मानव नजर नही आता।
पर्वतों सी धुन्ध,
मानव मन पर भी छाती है ।
नजर नही आता ,
जैसे धुंध के,
आर -पार,
कुछ भी,उसके छंटने तक,
वैसे ही ।
जब तक नही छंटती
अहंकार की धुंध।
मानव को,
मानव नजर नही आता।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

महारानी दुर्गावती जनजातीय गौरव का प्रतीक, उनका देश प्रेम हमें प्रेरणा से भर देता है...

महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर राजमोहिनी देवी सभा भवन,अंबिकापुर में आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया संबोधित

» मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों के साथ जमीन पर बैठकर पतरी और दोने में लिया भोजन का आनंद...

» स्वच्छता दीदियों की सुविधा के लिए सभी 20 एसएलआरएम सेंटरों में वॉटर कूलर लगाने का दिया निर्देश...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

महारानी दुर्गावती जनजातीय गौरव का प्रतीक हैं। उनका देश प्रेम और संघर्ष हम सबको प्रेरणा से भर देता है। यह बात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महारानी दुर्गावती बलिदान दिवस के अवसर पर राजमोहिनी देवी सभा भवन, अंबिकापुर में जनजाति गौरव समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर महारानी दुर्गावती के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जनजातीय गौरव की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महारानी दुर्गावती का भव्य स्मारक जबलपुर में तैयार कराया गया है। देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जनजातीय समाज से हैं। उनका इस सर्वोच्च पद में आसीन होना जनजातीय समाज के लिए गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री ने माँ महामाया को नमन करते हुए कहा कि रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के मौके पर जनजातीय गौरव समाज ने बहुत ही अच्छा कार्यक्रम किया है। मैं सौभाग्यशाली हूँ कि इस अवसर आपके बीच हूँ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की परंपरा नारियों के सम्मान की है। शास्त्रों में कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवताः। जब भी हम अपने देवता का नाम पुकारते हैं उससे पहले माता का नाम पुकारते हैं। हम सीता राम कहते हैं। राधे श्याम कहते हैं, हमेशा माता सबसे पहले स्मरण में आती हैं।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी समाज की बलिदानी परंपरा को भी इस अवसर पर स्मरण किया। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में जनजातियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चाहें बिरसा मुंडा हों, या गुंडाधुर हो, वीरनारायण सिंह हो इन सब बलिदानी महापुरुषों के बलिदान से देश स्वाधीन हुआ। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इस जनजातीय गौरव के योगदान को रेखांकित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी और वंचित समुदाय के जो बच्चे ऊंची शिक्षा हासिल करना चाहते हैं उनके लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। राज्य में 14 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है, जहां रहकर हमारे बच्चे नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय के युवाओं को सपनों को आकार देने सरकार लगातार काम कर रही है। जो बच्चे कलेक्टर, एसपी बनना चाहते हैं और दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी करना चाहते हैं, उनके लिए नई दिल्ली में ट्रायबल यूथ हॉस्टल संचालित किया जा रहा है। पहले इस हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 थी। हम लोग युवाओं से मिले और महसूस किया कि इसे बढ़ाने की जरूरत है। फिर हमने यहां की सीटें बढ़ाकर 185 कर दी हैं। इन बच्चों की कोचिंग के खर्च का जिम्मा सरकार उठायेगी। इसके अलावा उन्हें और भी बहुत सी सुविधाएं दी जाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे बच्चे पढ़-लिखकर अपने लिए जो भी क्षेत्र चुनेंगे, उन सभी क्षेत्रों में सरकार उन्हें मददगार के रूप में साथ खड़ी मिलेगी। हमारी सरकार बस्तर और सरगुजा के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बस्तर में सुरक्षा कैंपों का विस्तार किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में विकास की राह खुल गई है।

इस मौके पर अपने संबोधन में कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि रानी दुर्गावती ने राम राज्य के आदर्श के आधार पर अपने राज्य का संचालन किया और अपने बलिदान से पूरे देश को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम जनमन आदि योजनाओं के माध्यम से जनजातीय समाज को आगे लाने का कार्य कर रहे हैं। इसके चलते इन इलाकों में विकास की गति काफी तेज हो गई है। संगोष्ठी में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े भी मौजूद रहीं। संगोष्ठी को बबरु वाहन अध्यक्ष सनातन संत समाज आश्रम सामरबार, सोहन सिंह सह प्रांत संयोजक, जनजाति सुरक्षा मंच प्रांत महाकौशल, परमेश्वर सिंह मरकाम, अध्यक्ष जनजाति गौरव समाज ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री के आगमन पर हेलीपैड पर स्वागत हेतु अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज एवं रामकुमार टोप्पो भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मौजूद रहे।

इस दौरान माता राजमोहिनी देवी सेवा आश्रम की संचालिका श्रीमती राम बाई, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला पोर्ते, कुसमी विधायक श्रीमती उध्देश्वरी पैकरा, पूर्व सांसद कमल भान सिंह, पूर्व मंत्री राम सेवक पैंकरा, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेंद्र, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर विलास भोसकर, एसपी योगेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, एवं बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय के जिला आगमन पर हेलीपैड में हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सोमवार को जिला आगमन पर पीजी कॉलेज ग्राउंड स्थित हेलीपैड पर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम भी उनके साथ रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय के सरगुजा प्रवास के दौरान महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े सहित अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल,लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज,सीतापुर विधायक श्री रामकुमार टोप्पो,संभागायुक्त श्री जी आर चुरेंद्र, पुलिस महानिरीक्षक श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल द्वारा पुष्प भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वच्छता दीदियों के साथ मुख्यमंत्री का सरई के पत्तों से बनी पतरी में भोजन,जनजाति गौरव समाज की बहनों ने भोजन परोसा

विचार गोष्ठी के पश्चात मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वच्छता दीदियों के साथ जमीन पर बैठकर सरई के पत्तों से बनी पतरी और दोने पर भोजन किया। जनजाति गौरव समाज की दीदियों ने मुख्यमंत्री को भोजन परोसा। इस मौके पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भी स्वच्छता दीदियों के साथ भोजन किया। साथ ही स्वच्छता दीदियों की सुविधा के लिए सभी 20 एसएलआरएम सेंटरों में वॉटर कूलर लगाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों को स्वच्छता किट भी वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने समाज की मांग पर सामुदायिक भवन हेतु पूर्व में 50 लाख रुपए की स्वीकृति हो जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री साय द्वारा निजी कोचिंग संस्थान का भी उद्घाटन किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा सिंह को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सरगुजा राज परिवार की सदस्य श्रीमती इंदिरा सिंह के असामयिक निधन होने पर उनके दशगात्र कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। यहां उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती सिंह के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने पूर्व उप मुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव सहित सरगुजा राज परिवार के शोकाकुल सदस्यों से मुलाकात कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े भी मौजूद रहीं।

सरगुजा पुलिस ने सालों से लावारिस वाहनों पर कार्यवाही शुरु की

» वास्तविक मालिक नहीं मिले तो होगी नीलामी...

» छत्तीसगढ़ के सरगुजा में पुलिस को सात सायकल मालिकों,694 मोटरसाइकिल मालिकों की तलाश...

» सरगुजा पुलिस के 11 थानों में सालों से लावारिस हालत में मौजूद वाहनों के मालिकों की तलाश में जुटी है। ज़िले के 11 थानों में 700 के आसपास ऐसे वाहन हैं जिनके मालिकों का कोई पता नहीं चल रहा है। वाहनों में साइकल से लेकर चार पहिया वाहन शामिल हैं...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

ज़िला मुख्यालय के तीन थानों में ही 449 लावारिस टू व्हीलर,सबसे ज़्यादा गांधीनगर में सरगुजा ज़िले के 11 थानों में सालों से सैकड़ों वाहन मौजूद हैं,जिनके मालिकों का कोई पता नहीं है। अब तक जो टू व्हीलर के आँकड़े हैं उनकी कुल संख्या 694 हैं।इनमें से ज़िला मुख्यालय अंबिकापुर के तीन थानों में ही 449 लावारिस टू व्हीलर हैं।ज़िला मुख्यालय में सबसे ज़्यादा 220 टू व्हीलर ज़िले के गांधी नगर थाने में हैं, जबकि थाना कोतवाली में 164 टू व्हीलर हैं, जबकि मणिपुर थाने में 65 वाहन लावारिस की श्रेणी में हैं।

यह अंतिम संख्या नहीं है: एस पी सरगुजा

एसपी सरगुजा योगेश पटेल ने द हिट डॉट इन से कहा है कि, यह अंतिम संख्या नहीं है। कप्तान योगेश पटेल ने कहा -÷अभी भी हम प्रयासरत हैं कि, वाहनों के मालिक यदि मिल सकें तो हम उन्हें गाड़ी सुपुर्द कर दें। इसलिए जो संख्या अभी आपके पास है, वह अंतिम हैं, ऐसा नहीं है।यह संख्या घट भी सकती है।अभी भी गाड़ियों की लिस्टिंग जारी है, तो यह संख्या बढ़ भी सकती है।

साइकल और फोर व्हीलर भी लावारिस

जिले के सीतापुर थाना में जहां 118 टू व्हीलर हैं तो उसी थाने में ही एक फ़ोर व्हीलर भी है। थाना धौरपुर में सात साइकल हैं, पुलिस को उनके मालिकों का भी पता नहीं चल रहा है।

क्यों हैं लावारिस

गाड़ियाँ अरसे से थाने परिसरों में मौजूद हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार अधिकांश वाहन पंद्रह से बीस साल बल्कि कुछ तो उससे भी पुराने समय से थाने में हैं।कुछ वाहन एक्सीडेंट की वजह से आए तो वारिसान ने उन्हें लेने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। कई बार वाहन लावारिस मिले।

इन वाहनों का होगा क्या

पुलिस की प्रचलित बोली में ऐसे लावारिस वाहनों को लादावा वाहन कहा जाता है। लादावा का अर्थ होता है वह संपत्ति जिसका कोई दावेदार ना हो। जब इन वाहनों के स्वामी का पता नहीं चलता है तो अंततः इन सबकी नीलामी होती है। लेकिन उसकी प्रक्रिया है। प्रक्रिया के तहत थाना प्रभारी संबंधित एसडीएम को ऐसे लावारिस वाहनों की सूची सौंपेंगे। सूची मिलने के बाद एसडीएम इश्तहार जारी करते हैं,जिसमें यह लिखा होता है कि, यदि कोई वाहन स्वामी है तो स्वामित्व के अभिलेख दिखा कर ले जाए। नियत समय तक जब कोई नहीं आता को नीलामी की प्रक्रिया शुरु होती है

पूर्व कलेक्टर आर प्रसन्ना ने बास्केटबाल खिलाड़ियों का बढ़ाया जज्बा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ द्वारा सरगुजा जिला में बास्केटबाल लीग का प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जो 24 जून तक गांधी स्टेडियम में स्थित बास्केटबाल ग्राउंड पर आयोजित किया जा रहा है। सेमीफाइनल मुकाबले में सरगुजा पूर्व कलेक्टर आर प्रसन्ना,शैलेश प्रताप सिंह,केआर टेक्निकल कालेज की डायरेक्टर रीनु जैन,प्राचार्या रितेश वर्मा,राजेश सिंह काकू, धनेश प्रताप सिंह,श्यामाकान्त तिवारी, दुर्गेश त्रिपाठी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीन दिवसीय सरगुजा बास्केटबाल लीग प्रतियोगिता में रविवार को सेमीफाइनल मुकाबला आयोजित किया गया। खिलाड़ी काफी उत्साहित थे क्योंकि जिन्होंने सरगुजा में बास्केटबाल को आगे बढ़ाने पूर्व कलेक्टर आर प्रसन्ना से मिलने का मौका मिला। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में रजत सिंह, प्रियंका पैंकरा, प्रिया जायसवाल, खुशबू गुप्ता, प्रज्ञा मिश्रा, रागिनी, साक्षी, सुलेखा, रिमझिम, विक्की व अभिषेक शामिल हैं।

CMYK

हार्डवेयर दुकान से कीमती सामान चोरी के मामले मे 07 आरोपी गिरफ्तार

थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपियों के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही...

» **आरोपियों के कब्जे से दुकान से चोरी किया गया सामान,कुल किमत लगभग 01 लाख रुपये किया गया बरामद...**

» **आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार की जा रही कार्यवाही...**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही कर आरोपियों की धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थी रामनिवास अग्रवाल साकिन बनारस चौक जवाहर मार्केट गांधीनगर का दुकान ओम ट्रेडर्स ग्लास एवं हार्डवेयर बनारस चौक मे स्थित हैं जिसका प्रार्थी संचालन करता हैं, दुकान संचालक द्वारा दिनांक 22/06/24 कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी के हार्डवेयर दुकान मे काम करने वाले कर्मचारी संदीप एक्का एवं एक अन्य विधि से संघर्षरत बालक द्वारा प्रार्थी के दुकान मे काम करने के दौरान एल्मुनियम जाली 6 बंडल, एशियन इम्लसन पेन्ट 29 लीटर, एशियन इनामेल पेन्ट 12 लीटर, एशियन डिस्टेम्पर 5 किलो, स्करू 12 डिब्बा, व अन्य सामान कुल कीमती करीबन 100000/- रुपये की चोरी की गई हैं, प्रार्थी के रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 369/24 धारा 381, 34 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा मामले मे शामिल विधि से संघर्षरत बालक एवं अन्य आरोपी संदीप एक्का का पता तलाश कर पकड़कर पूछताछ किया गया,पूछताछ मे आरोपी द्वारा अपना नाम (01) संदीप एक्का उम्र 24 वर्ष साकिन मानिप्रकाशपुर थाना कोतवाली अम्बिकापुर का होना बताया, विधि से संघर्षरत बालक एवं अन्य आरोपी संदीप एक्का से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर दुकान से चोरी की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया,विधि से संघर्षरत बालक से चोरी किये गए सामान के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर रमेश अग्रवाल कों 29 लीटर एशियन इम्लसन पेंट, एशियन इनामेल पेन्ट 12 लीटर एवं 01 बंडल एल्मुनियम जाली कों कुल 1000/- रुपये मे बेचना बताया एवं नाजीर आलम कों 07 डब्बा कब्ज़ा 500 रुपये मे, ऋषभ गुप्ता कों 02 बंडल एल्मुनियम जाली कों 3000/- रुपये मे एवं आकाश गुप्ता कों फिनोलेक्स वायर खुला बंडल कों 1200 रुपये मे बेचना बताया हैं, विधि से संघर्षरत बालक द्वारा सामान बेचने से प्राप्त रकम कों खाने पिने मे खर्च होना बताया गया हैं, आरोपी संदीप एक्का से दुकान से चोरी किये गए सामान के बारे मे पूछताछ करने पर 02 बंडल एल्मुनियम जाली कों पप्पू शर्मा साकिन नालापारा कों 5800/- रुपये मे बेचना बताया एवं 01 बंडल जाली कों स्वयं उपयोग करने हेतु किराया रूम मे रखना बताया हैं, जाली बेचने से प्राप्त रुपये कों आरोपी द्वारा खर्च हो जाना बताया हैं,प्रकरण मे विधि से संघर्षरत बालक एवं आरोपी संदीप एक्का के निशानदेही पर मामले मे शामिल चोरी के सामानो के खरीददारों की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01)रमेश अग्रवाल उम्र 54 वर्ष साकिन बनारस चौक गांधीनगर, (02) नाजीर आलम उम्र 28 वर्ष साकिन रसूलपुर बरेज तालाब थाना कोतवाली (03) ऋषभ गुप्ता उम्र 30 वर्ष साकिन शिकारी रोड़ बौरीपारा थाना कोतवाली (04) आकाश गुप्ता उम्र उम्र 28 वर्ष साकिन महाराजा गली थाना कोतवाली अम्बिकापुर (05) पप्पू शर्मा उम्र 30 वर्ष साकिन नालापारा थाना गांधीनगर का होना बताये, आरोपियों से पूछताछ किये जाने पर चोरी का सामान विधि से संघर्षरत बालक एवं अन्य आरोपी संदीप एक्का से खरीदना स्वीकार किया गया, आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान किमती लगभग 01 लाख रुपये बरामद किया गया हैं, मामले मे विधि से संघर्षरत बालक सहित अन्य 06 आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से आरोपियों कों गिरफ्तार कर सी.आर.पी.सी. की धारा 41(ए)(क) जा. फौ. के निहित प्रावधानो के अनुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह,प्रधान आरक्षक विपिन तिवारी,आरक्षक उमाशंकर साहू,अनिल सिंह , घनश्याम देवांगन, सतीश शामिल रहे।

घंघरी गांव के कुपोषित कोरवा बच्चों को सुपोषित करने तेजस्विनी ने उठाया बीड़ा

» **ग्राम घंघरी के आसडांड़ पहुंची तेजस्विनी समिति की महिलाएं**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

नगर से लगे घंघरी ग्राम पंचायत के ग्राम आसडांड़ में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने का बीड़ा तेजस्विनी क्षत्रिय महिला समिति ने उठाया है। बच्चों को सुपोषित करने का अभियान भी समिति की महिलाओं ने शुरू कर दिया है।

समिति की अध्यक्ष उर्मिला सिंह के नेतृत्व में ग्राम पंचायत घंघरी के एक ग्राम आंसडांड कोरवा बस्ती में जाकर वहां पर परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अंबिकापुर ग्रामीण द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सर्वे में पाए गए कुपोषित बच्चों से मुलाकात की। जिला मुख्यालय से महज 12 किलोमीटर की दूरी पर बसा हुआ यह गांव काफी पिछड़ा हुआ है। यहां लगभग 25 घर हैं जहां पर 150 के लगभग जनसंख्या निवासरत हैं। यहां के बच्चों को सुपोषित करने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा काफी प्रयास किया जा रहा है।

परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास अंबिकापुर ग्रामीण सरिता सिंह जो तेजस्विनी क्षत्रिय महिला समिति में सचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं,उन्होंने समिति में इस बात की चर्चा की। समिति जो कि हमेशा सामाजिक कार्यों के लिए आगे रहती है। यह बात सुनकर तत्काल ही प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गई और समिति के तरफ से महिलाओं और कुपोषित बच्चों के साथ गांव के सभी लोगों से मुलाकात की। चौपाल लगाकर उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण के बारे में बारीकी से जानकारियां दी। यहां पाए गए आठ बच्चे जो की कुपोषित थे उनके साथ में अन्य बच्चों, महिलाओं व पुरुषों को चना, गुड़ एवं केला समिति के द्वारा वितरित किया गया। गांव के नजदीक में आंगनबाड़ी न होने के कारण लोग अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र में नहीं भेजते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को गांव तक आना पड़ता है उन्हें पोषक आहार देने के लिए। समिति द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण आहार देने के लिए कहा गया और कुपोषित बच्चों को प्रतिदिन चना, गुड़ और केला खिलाने के लिए कुछ धनराशि समिति द्वारा दिया गया। शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। शासन के द्वारा काफी प्रयास किया जा रहा है फिर भी वहां पर लोगों में जागरूकता कम ही देखने को मिली। ग्रामीणों ने बहुत सारी समस्याएं समिति के सामने रखी है। समिति ने सभी को आश्वासन दिया कि इन समस्याओं को जिला मुख्यालय तक पहुंचाएंगे और समय-समय पर आपके पास आकर समिति द्वारा जो हो सकता है आपकी मदद करेंगे। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का काफी सहयोग रहा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष उर्मिला सिंह, उपाध्यक्ष लतिका सिंह पिंकी, पूर्व अध्यक्ष आशा राणा, सरिता सिंह, सुजाता सिंह, अर्चना सिंह, सीमा सिंह, शशि सिंह, रीता सिंह, लक्ष्मी सिंह, भगवती सिंह, दिव्या सिंह, विनीता सिंह, सविता सिंह, मोनिका सिंह एवं माया सिंह उपस्थिति रहीं।

चोरी की 3 अलग-अलग मामले में 3 आरोपियों को थाना सूरजपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

» **एसी कॉपर पाईप,सौर उर्जा का कापर तार व मोटर सायकल की गई थी चोरी, चोरी का शत् प्रतिशत माल किया गया बरामद**

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

दिनांक 25.04.24 को मानपुर निवासी रमाकांत यादव ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 24-25 अप्रैल 2024 के दरम्यिानी रात कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर भवन में 3 एसी का कॉपर पाईप अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्र. 223/24 धारा 379 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

वहीं दूसरे मामले में दिनांक 21.06.24 को भैयाथान रोड़ सूरजपुर निवासी राकेश महराज ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया दिनांक 20 जून 2024 को कुटुम्ब न्यायालय सूरजपुर भवन के उपर छत में लगा सौर उर्जा का कॉपर तार को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। मामले की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 341/24 धारा 379 भादसं. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया।

तीसरे मामले में दिनांक 23.06.24 को ग्राम साल्ही रामानुजनगर निवासी निलेश कुमार ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 18.02.24 को अपने भाई के साथ एचएफ डिलक्स मोटर सायकल में दोस्त की शादी में ग्राम देवीपुर गया था जहां मोटर सायकल खड़ा कर खाने चला गया वापस आकर देखा कि मोटर सायकल वहां नहीं है कोई अज्ञात चोरी मोटर सायकल चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 345/24 धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। मामलों की विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि जेलपारा का मुजफ्फर खान व मस्जिदपारा का सोहेल खान दोनों एसी कॉपर पाईप व सौर उर्जा का कॉपर तार बेचने के फिराक में है जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने दोनों वारदात कुटुम्ब न्यायालय से एसी कॉपर पाईप तथा सौर उर्जा का कॉपर तार चोरी करना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर एसी कॉपर पाईप, सौर उर्जा का कापर तार, घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड, कटर एवं एचएफ डिलक्स मोटर सायकल जप्त कर आरोपी मुजफ्फर खान पिता अब्दुल हुसैन उम्र 27 वर्ष निवासी जेलपारा, थाना सूरजपुर एवं सोहेल खान उर्फ शानू पिता शाहजहां खान उम्र 22 वर्ष निवासी मस्जिदगली, थाना सूरजपुर को गिरफ्तार किया गया।

वहीं तीसरे मामले की विवेचना के दौरान जानकारी मिली कि रामानुजनगर क्षेत्र का एक व्यक्ति मोटर सायकल बेचने की फिराक में बस स्टैण्ड में घुम रहा है सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर घेराबंदी कर उस व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर उस व्यक्ति ने अपना नाम कौशल कुमार टान्डिया बताया। पूछताछ पर उसने बताया कि माह फरवरी में ग्राम गोरता लखनपुर में अपने रिश्तेदार के यहां शादी में गया था जो रात्रि में पैदल शादी से मानी जोबगा केतका होते हुए वापस आ रहा था तभी ग्राम देवीपुर में शादी वाले घर के बाहर एक मोटर सायकल एचएफ डिलक्स बिना लॉक के खड़ा था जिसे चालू कर चोरी कर ले गया था जिसके निशानदेही पर चोरी की मोटर सायकल बरामद कर आरोपी कौशल कुमार टान्डिया पिता उमेश्वर प्रसाद उम्र 18 वर्ष 6 माह ग्राम दवना, थाना रामानुजनगर को गिरफ्तार किया गया।

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, प्रधान आरक्षक अदीप प्रताप सिंह, जयप्रकाश तिवारी, संजय राजपूत, आरक्षक प्रमोद सिंह व सैनिक विजय सोनवानी सक्रिय रहे।

स्व0 महाराज मदनेश्वर शरण सिंहदेव की पुण्यतिथि पर उन्हें दी गयी भावभीनी श्रद्धांजली

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

स्व0 महाराज श्री मदनेश्वर शरण सिंहदेव की 23 वीं पुण्यतिथी पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन अम्बिकापुर में उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनि श्रद्धांजली दी गयी। इस अवसर पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में उनकी पुत्री श्रीमति आशा सिंहदेव ने उनसे जुडी विस्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि स्व0 महाराज साहब सदैव से महिला सशक्तिकरण के हितैशी रहे। राजमाता स्व0 देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के राजनैतिक जीवन की शुरुआत हो या स्वयं श्रीमति आशा सिंदहदेव के राजनैतिक जीवन में उनके शिखर तक पहुँचने का मार्ग हो प्रेरणा सदैव स्व0 महाराज साहब से प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि आज चाहे वे या उनके बडे भाई श्री टी0एस0 सिंहदेव दोनो ने जो राजनैतिक मुकाम हासिल किया वो स्व0 महाराज साहब की बदौलत ही है। गौरतलब है कि श्रीमति आशा सिंहदेव का विवाह हिमांचल प्रदेश में चंबा रियासत में हुआ था। वे हिमांचल प्रदेश में 7 बार विधायक चुनी जा चुकी हैं। कई बार वो हिमांचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। वे आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में सचिव हैं। 7 वर्ष पूर्व उनके पंजाब प्रभारी रहते पंजाब में कांग्रेस जीती थी और कांग्रेस की सरकार बनी थी। श्रीमति आशा सिंहदेव ने बताया कि स्व0 महाराज साहब को अपने सरगुजिहा होने पर बहुत नाज था। सरगुजा के विकास के लिये जो संभव था वो उन्होंने किया। उनके लिये सरगुजा और सरगुजिहा प्रथम प्राथमिकता में थे। लेकिन वे यहां के पर्यावरण को लेकर बहुत संवेदनशील थे। श्रीमति आशा सिंहदेव ने कहा कि विकास के लिये पर्यावरण के विनाश के वे बेहद खिलाफ थे। आज सरगुजा विकास के लिये पर्यावरण के विनाश का फल भुगत रहा है। सरगुजा में पड रही गर्मी और बारिश की कम होती मात्रा चिंताजनक है।

राजीव भवन में श्रद्धांजली सभा के पूर्व प्रतीक्षा बस स्टैण्ड पर स्थित स्व0 महाराज साहब एवं स्व0 राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव की प्रतिमा पर श्रीमति आशा सिंहदेव एवं कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मल्यार्पण किया। महामाया मंदिर अम्बिकापुर में भंडारा का भी आयोजन किया गया। इस दौरान श्री बालकृष्ण पाठक, श्री जे0पी0 श्रीवास्तव,डॉ0 अजय तिर्की,श्रीमत मधु सिंह, श्री अजय अग्रवाल,शफी अहमद,श्री द्वितेन्द्र मिश्रा, राकेश गुप्ता,हेमंत सिन्हा,मो0 इस्लाम, सत्येन्द्र तिवारी सहित बडी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

ट्रक और बाइक में जबरदस्त भिड़ंत,महिला सहित तीन की मौत

- संवाददाता -
राजपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर-बलरामपुर मुख्य मार्ग एनएच 343 में भेड़ाघाट मोड़ के पास बीती रात ट्रक और बाइक में आमने सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। इसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गई। बाइक चालक, पीछे बैठे महिला व ट्रक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, ट्रक का परिचालक घायल हो गया जिसे स्थानीय अस्तपताल से उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है बाईक सवार गढ़वा निवासी रतन केसरी व उसकी बड़ी मां रिश्तेदार के यहां जन्मदिन पार्टी के लिए राजपुर आ रहे थे। इसी दौरान यह घटना हुई जिसमें दोनों की मौत हो गई है।

संयुक्त कार्यालय परिसर की सुरक्षा में सें,दिनदहाड़े गायब हो गई 2 पहिया

- संवाददाता -
बलरामपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय के संयुक्त कार्यालय परिसर यानी कलेक्टोरेट की सुरक्षा में आज सेंध लग गई। रोजगार कार्यालय के सामने खड़ी मोटर सायकल की चोरी हो गई जिसके बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। यू तो सुरक्षा के नाम पर पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है लेकिन कार्यालयीन समय में दोपहर के लगभग 12 बजे हुई मोटर सायकल की चोरी ने समूचे संयुक्त कार्यालय परिसर की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। बहरहाल अब कलेक्टोरेट की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है और बलरामपुर थाने में भी सूचना दे दी गई है। दरअसल बलरामपुर-रामानुजगंज का मुख्यालय बलरामपुर में है और ग्राम सेमली में संयुक्त कार्यालय भवन है जहां कलेक्टोरेट सहित विभिन्न विभागों के दफ्तर है । उन्ही में से एक रोजगार कार्यालय कार्यालय का दफ्तर है जिसके सामने से दिनदहाड़े एक मोटर सायकल की चोरी हो गई। अब मोटर सायकल की तलाश की जा रही है।

बेतरतीब पार्किंग...

जिले के सबसे बड़े दफ्तर के बाहर पार्किंग की किसी प्रकार की व्यवस्थित व्यवस्था नही है जिसके चलते भी लोगो परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर यह समस्या गर्मी के दिनों में होती है क्योंकि दो पहिया व चार पहिया वाहनों को रखने शेड का ना होना है। साल 2018 में अस्थाई रूप से जनपद कार्यालय में संचालित होने वाला कलेक्टोरेट संयुक्त कार्यालय भवन में शिफ्ट हुआ था। 2018 के बाद जितने भी क्लेक्टरो की पदस्थापना जिले में हुए सभी ने कलेक्टोरेट की साज सज्जा पर तो ध्यान दिया लेकिन पार्किंग व्यवस्था अछूता रह गया और वह आज भी अछूता है। वैसे दो पहिया व चार पहिया वाहनों की सुरक्षित पार्किंग के लिए जिम्मेदारों को कुछ कारगर उपाय करनी होगी।

एटीएम बदलकर ठगी करने के मामले मे सरगुजा पुलिस की सख्त कार्यवाही

» **अंतर्राज्जीय आरोपी कों राजथल हरियाणा से किया गया गिरफ्तार**

» **थाना मणीपुर एवं साइबर सेल के संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मामले मे की गई कार्यवाही**

» **मामले मे अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा हैं, जल्द ही अन्य आरोपी गिरफ्तार कर लिए जायेंगे**

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आपराधिक गतिविधियों मे शामिल आरोपियों की लगातार सख्ती से धरपकड़ की जा रही हैं इसी क्रम मे मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थिया दुर्गावती तिग्गा साकिन सर्कस ग्राउंड मनेन्द्रगढ़ जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर दिनांक 21/05/24 कों थाना मणीपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना दिनांक 18/05/24 कों प्रार्थिया अपने पति के साथ बिलासपुर चौक के एसबीआई एटीएम पैसा निकालने के लिए गयी हुई थी, एटीएम से 10 हजार रुपये नगदी निकालने के बाद पीछे खड़े अज्ञात व्यक्ति द्वारा ट्रांजेक्शन के बीच मे टोककर मोबाइल मे ओटीपी आने की बात बोलकर ध्यान भटकाकर मौका पाकर प्रार्थिया के एटीएम कों बदलकर दूसरा एटीएम दे दिया गया, और अज्ञात व्यक्ति द्वारा अलग अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से प्रार्थिया के खाते से कुल 104000/- रुपये की ठगी कारित कर लिया गया हैं, प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना मणीपुर मे अपराध क्रमांक 172/24 धारा 420, 34 भा.द.वि. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल निरीक्षण कर आस पास के सीसीटीवी फूटेज का अवलोकन किया गया, घटना के दौरान एक संदिग्ध बलेनो कार एचआर/86/बी/0528 का उपयोग आरोपियों द्वारा किया जाना पाये जाने पर घटना मे प्रयुक्त वाहन एवं आरोपियों के सम्बन्ध मे साइबर सेल से तकनिकी जानकारी प्राप्त कर मामले के आरोपियों की गिरफ़्तारी हेतु पूर्व मे पुलिस टीम कों राजथल हरियाणा भेजा गया,पुलिस टीम द्वारा घटना मे प्रयुक्त वाहन बलेनो कार क्रमांक एचआर/86/बी/0528 कों राजथल हरियाणा से जप्त किया गया था,एवं मामले के आरोपी घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहे थे, मामले मे पुनः आरोपियों के सम्बन्ध मे अन्य तकनिकी जानकारी प्राप्त कर आरोपियों की गिरफ़्तारी हेतु पुलिस टीम कों राजथल हरियाणा रवाना किया था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले मे शामिल आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम सुरेश उर्फ़ कबिरा आत्मज प्रहलाद सिंह उम्र 32 वर्ष साकिन राजथल थाना नारनौद जिला हॉसी हरियाणा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपने साथी के साथ मिलकर एटीएम बदलकर ठगी की घटना घटित करना स्वीकार किया गया, आरोपी के कब्जे से नगद 20 हजार रुपये एवं घटना के दौरान प्रयुक्त मोबाइल जप्त किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड मे भेजा जाता हैं, आरोपी घूम घूमकर ठगी की घटना कों अंजाम देते थे, इसी क्रम मे अम्बिकापुर आकर प्रार्थिया से ठगी की घटना कारित की गई थी, आरोपी काफी पेशेवर किस्म का अपराधी हैं, इस प्रकार की घटना लगातार करना बताया हैं, दीगर जिले या राज्य मे इस प्रकार की घटना होने के सम्बन्ध मे उक्त आरोपी से प्रकरण के सम्बन्ध मे पूछताछ की जा सकती हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे,उप निरीक्षक प्रेम सागर खुटिया, सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, प्रधान आरक्षक गणेश कदम, आरक्षक अतुल शर्मा, राहुल सिंह, अशोक यादव शामिल रहे।

सुरजपुर जिला पंचायत में संलग्नीकरण का खेल,संलग्नीकरण समाप्ति के आदेश पश्चात भी अपने मूल विभाग में नहीं लौट रहे संलग्न कर्मचारी

कर्मचारी काफी शातिर...5 साल से अपना मूल पदस्थापना छोड़कर संलग्नीकरण में जिला पंचायत में मजा ले रहे हैं...

जब चार कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त किया गया उसके बाद भी वह वापस जाने को तैयार नहीं...

जिपं में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे जबकि शिक्षा विभाग और जिपं का नाता ही समाप्त हो गया है...

सबसे आश्चर्य की बात यह है की जिला पंचायत में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं जबकि शिक्षा विभाग और जिला पंचायत का अब शिक्षा संबंध का पुराना नाता ही समाप्त हो गया और शिक्षा विभाग जो पहले जिला पंचायत की तरफ ज्यादा विस्तृत था अब शिक्षा विभाग तक ही सिमट गया है। वैसे जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न शिक्षा विभाग के लिपिकों की बात की जाए तो यह कहा जा सकता है की ऐसा शायद ही कहीं और प्रदेश में देखने को मिलेगा जहां शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न कर रखा गया होगा। सुरजपुर जिला अपने आप में इकलौता जिला होगा जहां एक नहीं दो नहीं तीन तीन स्कूलों के लिपिकों को जिला पंचायत में संलग्न करके रखा गया है।

संलग्नीकरण समाप्ति आदेश का भी नहीं हुआ पालन, अभी भी जमे हैं जिला पंचायत में चारों

जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न चार कर्मचारियों का संलग्नीकरण समाप्त करने का आदेश फरवरी माह में जारी हुआ था वहीं तब से लेकर आज तक चारों वहीं जमे हुए हैं उन्हे भारमुक्त नहीं किया गया है। बताया जा रहा है की पूर्व जिला पंचायत सीईओ के द्वारा चारों का संलग्नीकरण समाप्त किया गया था और अब जिला पंचायत के सीईओ अन्य हैं जिनके द्वारा चारों को भारमुक्त नहीं किया जा रहा। अब जिला पंचायत सीईओ की क्या मजबूरी है या क्या उनकी ऐसी जरूरत है कार्यालय की जो उन्हे संलग्न कर्मचारी पर ही भरोसा है यह तो वही जाने वहीं यदि पूर्व सीईओ ने चारों को वापस मूल कार्यालय भेजने का आदेश जारी किया था तो यह भी कहना गलत नहीं होगा की उनकी आवश्यकता उन्हे महसूस नहीं हो रही थी इसलिए वह उन्हें वापस भेजने का आदेश जारी कर चुके थे।

लिपिकों को लेकर शिक्षा विभाग क्यों है मौन,क्यों नहीं वह अपने विभाग के लिपिकों की वापसी की करता है मांग

जिले के तीन स्कूलों के तीन लिपिक वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न हैं,तीनों के द्वारा क्या जुगाड लगाया गया है संलग्न रहने के लिए यह तो वही जाने लेकिन तीनों अपने मूल विभाग की जगह अन्य विभाग में संलग्न होकर काम करने में ज्यादा खुश हैं। वैसे इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय क्यों मौन है वह क्यों अपने कर्मचारियों की वापसी की मांग नहीं करता यह बड़ा सवाल है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को अपने विभाग के उन लिपिकों की वापसी की मांग करनी चाहिए जो वर्षों से जिला पंचायत में जुगाड से संलग्न हैं।

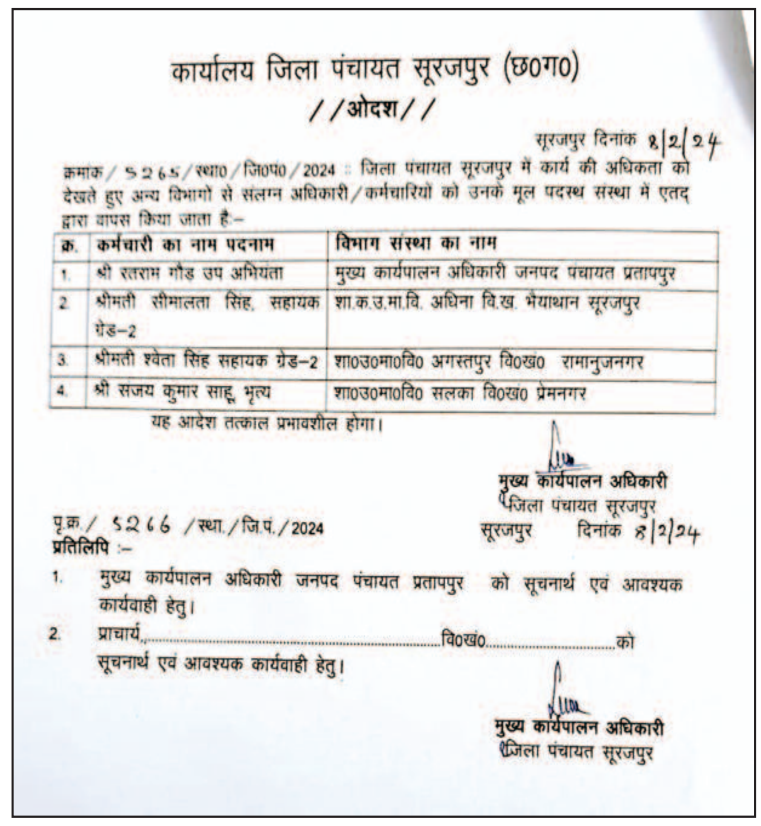

कार्यालय जिला पंचायत सूरजपुर (छ0ग0)

//ओदश//

सूरजपुर दिनांक 8/2/24

क्रमाक/ 5265/स्था0/जि0प0/2024 : जिला पंचायत सूरजपुर में कार्य की अधिकता को देखते हुए अन्य विभागो से संलग्न अधिकारी/कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थ संस्था में एतद द्वारा वापस किया जाता है:-

क्र.	कर्मचारी का नाम पदनाम	विभाग संस्था का नाम
1.	श्री रतराम गौड़ उप अभियंता	मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रतापपुर
2.	श्रीमती सीमालता सिंह, सहायक ग्रेड-2	शा.क.उ.मा.वि. अधिना वि.ख. भैयाथान सूरजपुर
3.	श्रीमती श्वेता सिंह सहायक ग्रेड-2	शा0उ0मा0वि0 अगस्तपुर वि0ख0 रामानुजनगर
4.	श्री संजय कुमार साहू, भृत्य	शा0उ0मा0वि0 सलका वि0ख0 प्रेमनगर

यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत सूरजपुर

पृ.क्र./ 5266 /स्था./जि.प./2024 सूरजपुर दिनांक 8/2/24

प्रतिलिपि :-

1. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रतापपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
2. प्राचार्य,...............वि0खं0.............को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत सूरजपुर

-ओंकार पाण्डेय-
सुरजपुर,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के जिला पंचायत कर्यालय में संलग्नीकरण का खेल देखा जा रहा है जहां संलग्न कर्मचारी अपने मूल विभाग में वापस नही जाना चाहते वहीं उन्हे जिला पंचायत कार्यालय से भी सह प्राप्त हो रहा है अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त हो रहा है जिसकी वजह से संलग्नीकरण समाप्ति आदेश को भी धता बता रहे हैं और अपनी मनमानी कर रहे हैं।

बता दें की जिले के जिला पंचायत कार्यालय में शिक्षा विभाग के तीन स्कूलों से तीन लिपिक वहीं जनपद पंचायत प्रतापपुर से उप अभियंता विगत कई वर्षों से संलग्न हैं और वह जिला पंचायत में ही कार्य कर रहे हैं वहीं फरवरी माह में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ही उनका संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है लेकिन आज दिनांक तक चारों जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं और वहीं कार्य कर रहे हैं। पूर्व पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा चारों को उनके मूल पदस्थ संस्था में वापसी के लिए आदेशित किया गया था लेकिन फरवरी माह में आदेश जारी करने उपरांत जब तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ का तबादला हो गया और नए जिला पंचायत सीईओ ने कार्यभार ग्रहण कर लिया उन्होंने पूर्व जिला पंचायत सीईओ के जारी आदेश अनुसार चारों संलग्न कर्मचारियों जिन्हे उनके मूल पदस्थ कार्यालय संस्था के लिए कार्यभार मुक्त करने आदेशित किया गया था को कार्यभार मुक्त नहीं किया गया और वह आज भी जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं। सूत्रों का कहना है की चारों जुगाड से 5 सालों से एक ही जगह संलग्न होकर काम कर रहे हैं जबकि संलग्नीकरण समाप्ति का इस दौरान कई बार आदेश आया। अभी भी चारों जिला पंचायत में ही काम कर रहे हैं और उन्हे कोई हटा नहीं सकता उनका दावा है।

क्या संलग्न चार कर्मचारियों को मिला हुआ है राजनीतिक संरक्षण या वह अधिकारियों से जुगाड लगाकर वर्षों से हैं संलग्न?

जिले के जिला पंचायत कार्यालय में संलग्न चार कर्मचारी किसका संरक्षण प्राप्त करके मनचाहे कार्यालय में कार्य कर रहे हैं यह एक बड़ा प्रश्न है वहीं सवाल यह भी है की क्या उन्हे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या फिर उनका जुगाड अधिकारियों से है।वैसे राजनीतिक यदि उन्हे संरक्षण प्राप्त है तो उनका जुगाड काफी तगड़ा है क्योंकि वह दोनो दलों की सरकार में अपने अनुसार अपनी मनचाही जगह पर काम कर रहे हैं और उनका जुगाड कोई बिगाड़ भी नही पा रहा है वहीं यदि वह अधिकारियों से जुगाड बना रहे हैं तब भी उनकी काबिलियत जुगाड मामले में कम नहीं क्योंकि अलग अलग अधिकारियों के कार्यकाल में वह लगातार संलग्न ही चले आ रहे हैं।

क्या जिला पंचायत में है वेतन के अतिरिक्त अन्य कोई लाभ जिसके कारण नहीं लौट रहे अपने मूल कार्यालय में वहां संलग्न कर्मचारी?

जिला पंचायत में वर्षों से संलग्न चार कर्मचारी अपने मूल पदस्थ कार्यालय नहीं जाना चाहते और वह जिला पंचायत में ही पदस्थ रहना चाहते हैं यह देखने सुनने और जारी संलग्नीकरण आदेश की अवहेलना उपरांत समझा जा सकता है। अब सवाल यह उठता है की क्या जिला पंचायत में उन्हे वेतन के अलावा कोई अतिरिक्त लाभ मिल रहा है जिस वजह से वह वापस नहीं जाना चाहते अपने मूल पदस्थ कार्यालय में। अब वजह जो भी हो लेकिन आदेश की अवहेलना जो संलग्निकरण समाप्ति को लेकर जारी आदेश है वह तो होती नजर आ रही है और यह भी कहना गलत नहीं होगा कि जिले में चार कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं वह अपने अनुसार कार्यालय का चयन कर काम करना पसंद कर रहे हैं और वह अपना मूल विभाग भी त्याग कर रहे हैं वहीं उनकी इस मनमानी को संरक्षण मिल रहा है। वैसे सवाल यह भी उठ रहा है की क्या ऐसी ही सुविधा मन अनुसार विभाग और कार्यालय चुनने की जिले के अन्य कर्मचारियों को भी मिलेगी या यह सुविधा इन्हीं चार लोगों के लिए है।

मार्च माह में हुआ तबादला अब तक नहीं किया गया भारमुक्त,क्या शासन के आदेश को लेकर गंभीर नहीं सहायक आयुक्त कोरिया?

मंडल संयोजक बैकुंठपुर का सुकमा जिले में हुआ है तबादला,भारमुक्त नहीं करने के पीछे क्या खुद मंडल संयोजक की भूमिका?

आदिम जाति एवम अनुसूचित जाति विकास विभाग ने जारी किया है आदेश,आदेश की अवहेलना आखिर क्यों?

-रवि सिंह-
कोरिया,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड में पदस्थ मंडल संयोजक सिद्धार्थ खैरवार का तबादला मार्च माह में आदिम जाति एवम अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर के आदेश अनुसार सुकमा विकासखंड जिला सुकमा के लिए किया गया है और आज तीन माह माह बाद भी मंडल संयोजक को भारमुक्त नहीं किया गया है जिससे यह प्रश्न अब खड़ा हो रहा है की क्या कोरिया जिले के आदिवासी विकास विभाग की प्रमुख साथ ही सहायक आयुक्त कोरिया शासन के आदेश को लेकर ही गंभीर नहीं हैं और वह शासन के आदेश के बावजूद मंडल संयोजक सिद्धार्थ खैरवार को भारमुक्त नहीं कर रही हैं। मंडल संयोजक को क्यों भारमुक्त नहीं किया जा रहा है यह बड़ा सवाल है। वैसे मंडल संयोजक बैकुंठपुर को भारमुक्त नहीं किया जाना शासन के आदेश की अवहेलना भी है और ऐसी अवहेलना क्यों कर रही हैं सहायक आयुक्त कोरिया यह भी बड़ा सवाल है।वैसे माना जा रहा है की मंडल संयोजक का तबादला होने उपरांत उन्हे भारमुक्त नहीं किए जाने के पीछे की मुख्य भूमिका खुद मंडल संयोजक निभा रहे हैं और वह खुद ही अपना भारमुक्त होने का आदेश रुकवाने में प्रयासरत हैं जिसमे प्रथम तीन माह तक उन्हे सफलता मिल भी चुकी है।

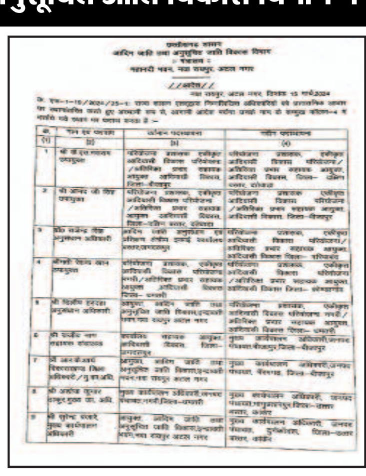

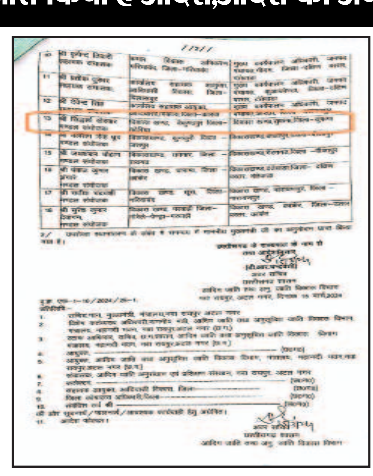

बता दें की सिद्धार्थ खैरवार का तबादला सुकमा जिले में किया गया है और वह वहां नहीं जाना चाहते यह बताया जा रहा है और इसीलिए उन्होंने अपना भारमुक्त होने का आदेश होने से रुकवाए रखा है। वैसे सिद्धार्थ खैरवार का तबादला कोई एक मात्र तबादला भी नहीं था विभाग का मार्च माह में उसी सूची में कई अन्य नाम भी दर्ज थे जो भारमुक्त होकर अब नई जगह काम भी कर रहे हैं लेकिन सिद्धार्थ खैरवार को भारमुक्त नहीं किया जा रहा है। शासन के आदेश की अवहेलना का यह कोई नया मामला नहीं है अब प्रायः यह देखने को मिल रहा है की अब शासन के आदेश के बावजूद अधिकारी कर्मचारी अपनी मंशानुरूप ही एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं यदि उन्हे नई पदस्थापना मंजूर नहीं होती वह भारमुक्त करने वाले अधिकारी से ही भारमुक्त होने का आदेश रुकवा लेते हैं और इस तरह वह शासन के आदेश को ही ठेंगा दिखा देते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो अब ऐसी परम्परा देखने को मिल रही है लगातार जहां शासन से आदेश से ऊपर जिले के अधिकारी होते चले जा रहे हैं और वह तबादला मामले में अपनी मर्जी से काम करते हैं जिसे वह भेजना नहीं चाहते वह उसे शासन के आदेश के उपरांत भी नहीं भेजते और शासन के आदेश को ही आंख दिखा देते हैं।

मृगांक यंगेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट तो श्रेयांश को अंडर 15 केटेगरी में तीसरा स्थान

दिमागी चाल में चिरमिरी के मृगांक और श्रेयांश ने मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

शतरंज संघ सरगुजा द्वारा आयोजित दो दिवसीय संभाग स्तरीय शतरंज स्पर्धा में मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के दो छात्रों ने जिले का नाम रौशन किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग और शतरंज संघ सरगुजा द्वारा पहली बार आयोजित संभागीय स्पर्धा में 6 जिले से अलग-अलग वर्ग के कुल 300 खिलाड़ी अपने दिमागी ताकत दिखाने पहुंचे थे। इस स्पर्धा में डीएवी स्कूल चिरमिरी के पहली कक्षा के 5 साल के मृगांक शर्मा ने यंगेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर अंडर 9 बॉयज केटेगरी में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मृगांक चिरमिरी ओपन कास्ट माइंस में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत मयंक शर्मा व स्मृति शर्मा के पुत्र है। वही चिरमिरी के ही डीएवी स्कूल के कक्षा 8 वी के छात्र श्रेयांश मिश्रा ने अंडर 15 बॉयज केटेगरी में भी तीसरा स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रौशन किया। श्रेयांश चिरमिरी के रीजनल हॉस्पिटल में कार्यरत डाक्टर सुमित मिश्रा के पुत्र है। अंबिकापुर में आयोजित हुई इस स्पर्धा में बॉयज केटेगरी में 150 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। खेल व युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के संयुक्त निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग के जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़ सहित सरगुजा जिले के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। चार विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में 40 हजार की पुरस्कार राशि के अलावा कई पुरस्कार वितरित किये गए।

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सिपेट कोरबा में आधुनिक तकनीकी एवं बुनियादी सुविधाएं

-संवाददाता-
सुरजपुर,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

सिपेट कोरबा भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त प्रयास से स्याहीगुडी, जमनीपाली, कोरबा में स्थापित किया गया है। रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सिपेट कोरबा में आधुनिक तकनीकी एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध है जो प्रशिक्षाणार्थियों को रोजगार प्रदान करने में अवसर एवं सहयोग प्रदान करता है। इस संबंध में सिपेट कोरबा में संचालित विभिन्न दीर्घकालीन पाठ्यक्रमों (डीआरएमटी और डीआरटी) में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में प्रवेश लेने के लिए जिले के सामाजिक-आर्थिक कमजोर वर्ग के अधिक से अधिक छात्र/छात्राओं को उपर्युक्त योजना के तहत स्पॉन्सरशिप प्रदान करने हेतु एवं एनसीएचएमसीटी द्वारा आईएचएम के डिग्री/डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश हेतु प्राप्त दस्तावेज का परीक्षण कर वरीयता सूची उक्त संस्थान को भेजी जायेगी। एसईसीएल मुख्य खनिज क्षेत्र के 25 कि0मी0 के आस-पास के 5-5 बच्चे प्रवेश हेतु कक्षा 10 वीं एवं कक्षा 12वीं के छात्र/छात्राएं बीपीएल कार्डधारी जाति आरक्षण रोस्टर अनुसार आवेदन कर सकते है।

कोरिया वन मंडल के सेमिनार हॉल में पोस्टर विमोचन का कार्यक्रम हुआ संपन्न

वृक्षारोपण के लिए जागरूकता गीत आयुष नामदेव ने किया तैयार...आओ मिलकर एक पेड़ लगाए हरियाली की चुनर पहनाए है एल्बम सॉन्ग का पोस्ट हुआ लॉन्च...जल्दी यूट्यूब चैनल पर होगा रिलीज...अधिक से अधिक वृक्षारोपण हो इस उद्देश्य से कोरिया वन मंडल ने तैयार कराया वृक्षारोपण जन जागरूकता गीत

-संवाददाता-
कोरिया,24 जून 2024
(घटती-घटना)।

आओ मिलकर एक पेड़ लगाए हरियाली की चुनर पहनाए है एल्बम का पोस्टर लॉन्चिंग आज कोरिया वन मंडल के सेमिनार हॉल में संपन्न हुआ डीएफओ प्रभाकर खलखो वन विभाग बैकुंठपुर के एसडीओ अखिलेश मिश्रा एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वन विभाग के कर्मचारी प्रेस काउंसिल के अध्यक्ष प्रवीण सिंह अरुण जैन की उपस्थिति में पोस्ट लॉन्चिंग का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अधिक से अधिक वृक्षारोपण हो इस उद्देश्य से बैकुंठपुर के युवा गायक आयुष नामदेव ने एक एल्बम तैयार किया जिसमें वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह वृक्षारोपण गीत तैयार किया गया आओ मिलकर एक पेड़ लगाए हरियाली की चुनर पहनाए, इस गीत को आयुष नामदेव ने गाया और लिखा है इसके निर्देशक लखि सुंदरानी संगीत दिया है रायपुर के विनोद वर्मा ने साथ ही वीडियोग्राफी ॥ह्य फिल्म प्रोडक्शन हिमांशु साहू के द्वारा की गई, यह गीत जल्द ही आयुषनामदेव के ऑफिशल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगा साथ ही स्पॉटिफाई, गाना,अमेजॉन म्यूजिक एप्पल म्यूजिक हंगामा म्यूजिक के साथ सारे म्यूजिक प्लेटफार्म ऐप पर उपलब्ध होगा, कोरिया वन मंडल की डीएफओ प्रभाकर खलखो ने आयुष नामदेव के कार्य की सराहना की साथ ही सेमिनार हॉल में आयुष नामदेव गाने की दो पंक्ति गुनगुना कार्यक्रम की शुरुआत की।

CMYK

सरकारी कार्यक्रम सरकारी पैसे से निजी होटल में क्यों ?

कई शासकीय भवन होने के बावजूद शहर से 8 किलोमीटर दूर आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम निजी होटल में

पांच ब्लाकों का कार्यक्रम आनंद रिहंदम में,15 दिवस चलेगा प्रशिक्षण

प्रशिक्षण में शामिल होने वालों को भी हो रही दूरी को लेकर दिक्कत

-ओंकार पाण्डेय-
सुरजपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

सुरजपुर जिले में जिला पंचायत कार्यालय द्वारा प्राकृतिक खेती विषय पर कृषि सखियों का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण एवम सर्टिफिकेशन हेतु प्रशिक्षण आयोजित किया गया है और जिसको लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं जो एक तरफ शासकीय राशि के बेवजह खर्च को लेकर उठ रहा है वहीं प्रशिक्षणार्थियों के लिए दूरी को भी लेकर सवाल खड़ा हो रहा है और आवागमन को लेकर भी सवाल खड़ा हो रहा है। प्रशिक्षण ग्राम आजीविका मिशन बिहान अंतर्गत आयोजित किया गया है और यह प्रशिक्षण कुल 15 दिनों तक चलेगा। प्रशिक्षण को लेकर यह सवाल भी उठ रहा है की जब जिला मुख्यालय में कई शासकीय भवन उपलब्ध हैं वहीं कई छात्रावास भी उपलब्ध हैं जहां सभी सुविधा उपलब्ध है ऐसे में निजी होटल में

प्रशिक्षण क्यों आयोजित किया गया क्यों निजी होटल का चुनाव प्रशिक्षण के लिए किया गया।

बता दें की जिले के पांच विकासखंडों के 175 कृषि सखियों का प्रशिक्षण होना है जो प्राकृतिक खेती के गुर सीखने आनंद रिहंदम होटल पहुचेंगे। जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा प्रशिक्षण के लिए निजी होटल और वह भी शहर से 8 किमी दूर के होटल का चुनाव क्यों किया गया जहां आवागमन के लिए भी प्रशिक्षण में आने वालों के लिए दिक्कत होगी यह भी प्रश्न खड़े होंगे। माना जा रहा है की प्रशिक्षण के नाम पर शासकीय राशि का बंदरबांट किया जाएगा और इसीलिए शहर से दूर का निजी होटल प्रशिक्षण के लिए चुना गया है यह बताया जा रहा है। सुरजपुर जिले में यह अलग ही तरह का कारनामा है क्योंकि इसके पहले ऐसे प्रशिक्षण जिला मुख्यालय में ही आयोजित होते रहे हैं।

जिला पंचायत सीईओ की आखिर मनमानी क्यों चल रही है ?

सुरजपुर जिले में जिला पंचायत सीईओ की मनमानी आखिर क्यों चल रही है यह भी सवाल उठ रहा है। बताया जा रहा है की जिला पंचायत सीईओ अपनी मनमानी करने में पीछे नहीं हट रहे हैं और जिसकी वजह से कई बार नुकसान की भी संभावना बनी रहती है और ऐसा ही मामला इस प्रशिक्षण का भी है जहां जिला पंचायत सीईओ की मनमानी के कारण जो प्रशिक्षण कम लागत में शासकीय भवन में वह भी जिला मुख्यालय में हो सकता था अब वह निजी होटल में आयोजित है जहां शासकीय राशि का बेवजह खर्च होना तय है।

कई शासकीय भवन फिर भी शासन को अपने कार्यक्रम के लिए निजी भवन का ही सहारा ?

सूरजपुर जिले में ऑडिटोरियम, लाइब्लीवुड कॉलेज, मंगल भवन, सहित ऐसे कई स्थान है इसके बावजूद सूरजपुर जिले में शासकीय कार्यक्रम के लिए निजी संस्थाओं का सहारा लेना पड़ रहा है जो अपने आप में प्रशासन के लिए बड़ी विडंबना जैसी स्थिति है। प्रशासन के पास सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं इसके बावजूद जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर निजी होटल में प्रशिक्षण कार्यक्रम रखना सवाल के घेरे में है क्या प्रशासन का प्रशिक्षण कराने मात्र का स्वार्थ है या फिर होटल संचालक के साथ लंबी चौड़ी सेटिंग?

84 दिन बाद मध्य रात्रि कन्हर नदी का पानी एनीकट तक पहुंचा

भीषण जल संकट से अब मिलेगी मुक्ति

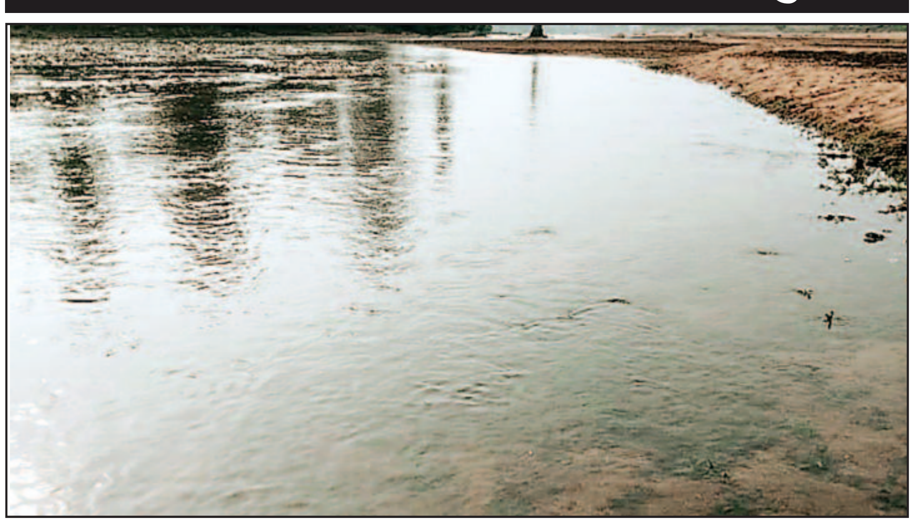

-संवाददाता-
रामानुजगंज,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

रामानुगंज सरहदी क्षेत्र की जीवनदायनी मानी जाने वाली कन्हर नदी के सूखने के 84 दिन के बाद बीते मध्य रात्रि पानी एनीकट तक पहुंचा। जिस प्रकार से पूरा नगर भीषण जल संकट से गुजर रहा था, अब उससे राहत मिलेगी। कन्हर नदी में पानी आने से जल स्तर में जहां सुधार होगा वही नियमित नगर पंचायत की जलप्रदाय व्यवस्था अब बाधित नहीं होगी।

गौरतलब है कि अप्रैल माह के पहले सप्ताह में कन्हर नदी पूर्णत सूख गई थी। जिसके बाद से ही नगर में लगातार जल संकट गहराते जा रहा था। स्थिति यह हो गई थी कि मई के दूसरे पखवाड़े एवं जून के प्रथम पखवाड़े में नगर में पानी के लिए हाहाकार मच गया। जैसे तैसे नगर पंचायत के द्वारा नदी में डबरी का निर्माण करवा कर नगर में जल आपूर्ति की गई। जून की पहले पखवाड़े से ही एक-एक दिन लोगों के लिए भारी पड़ रहा था। प्रतिदिन नगर के कुंआ एवं हैंडपंप सूखते जा रहे थे। कई हैंडपंप व कुंआ तो ऐसे थे जो कभी नहीं सूखा करते थे वह भी सूख गए। नगर पंचायत के द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जाती रही। इस बीच बीती मध्य रात्रि एनीकट तक पानी पहुंचने से लोगों ने राहत की सांस ली।

पूजा-अर्चना के लिए नगरवासियों की लगी भीड़

कन्हर नदी गंगा के समान उत्तर वाहिनी है। कई दशकों पूर्व से क्षेत्रवासियों की गहरी आस्था कन्हर नदी से जुड़ी हुई है। 84 दिन के बाद जब नदी में पानी का आगमन हुआ तो आज सुबह से ही पूजा-अर्चना करने के लिए लोगों की भारी भीड़ कन्हर नदी में उमड़ी।

जशपुर के खुड़िया पठार से निकलती है कन्हर, कन्हर का पानी मिलता है गंगा में

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की सबसे बड़े नदियों में एक कन्हर नदी डेम जो तीन प्रदेशों के लोगों को लाभान्वित करती है। यह जशपुर के खुड़िया पठार से निकल सोनभद्र जिले में सोन नदी में मिलती है। जहां से सोन का पानी आगे चलकर गंगा नदी में मिलता है।

कन्हर के सूखने से सरहदी क्षेत्रो का जलस्तर चला गया था नीचे

कन्हर नदी के सूखने से छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के सरहदी क्षेत्र का जलस्तर काफी नीचे चला गया था। पहली बार ऐसी स्थिति निर्मित हुई थी कि जो हैंडपंप कुंआ जो कभी नही सूखा था वह भी सूख गया। कन्हर में पानी आने से रामानुजगंज सहित सरहद के किनारे बसे छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के लोगों ने राहत की सांस ली है।

पात्र आवेदक को त्वरित मिले अनुकम्पा का लाभ, इसके लिए जिला प्रशासन ने की त्वरित कार्रवाई

जिला प्रशासन के संवेदनशील कार्यशैली से 02 माह के भीतर आवेदक को मिली अनुकंपा नियुक्ति

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत पदस्थ पंचायत सचिव स्वर्गीय कृष्ण कुमार सोनी का आकस्मिक निधन हो जाने के कारण, मृत्यु उपरांत उनके आश्रित पुत्र श्री मिथलेश कुमार के द्वारा अनुकंपा नियुक्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदक द्वारा सभी वांछित दस्तावेज प्रस्तुत किये गये थे। जैसे ही आवेदन जिला प्रशासन के संज्ञान में आया तो कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश

नंदिनी साहू को आवेदन अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। इसके साथ ही पात्र आवेदक को शीघ्र अनुकंपा के तहत योग्यता अनुरूप पद देने के लिए निर्देशित किया गया। आश्रित पुत्र को शीघ्र पद प्राप्त हो इसके लिये जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा निर्देशों का पालन किया गया और 02 माह के भीतर ही अनुकंपा नियुक्ति की कार्यवाही पूर्ण किया गया, जो जिला प्रशासन के संवेदनशील कार्यशैली का परिचायक है। श्री मिथलेश कुमार, की पदस्थापना ड्यूटी स्थल मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत सूरजपुर के अंतर्गत होना है ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोनोग्राफी की सुविधा का सफलतापूर्वक संचालन

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (भैयाथान, ओड़गी, प्रतापपुर, रामानुजनगर) में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी की सुविधा का सफलतापूर्वक संचालन की जा रही है। इस तारतम्य में आज सुरक्षित मातृत्व आश्वासन योजना के अंतर्गत सभी चिन्हिंकित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में कुल 100 हितग्राहियों का निःशुल्क सोनोग्राफी सेवा प्रदान की गई। शासकीय संस्थानों में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से मातृ-मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा उच्च जोखिम गर्भवती एवं गर्भस्थ शिशु में जन्मजात विकृति की पहचान करने में कारगर साबित हो रही है ताकि संबंधित मरिजों को समय पर उपचार प्रदान की जा रही है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सोनोग्राफी की सुविधा होने से दूरस्थ अंचल में रहने वाले गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधा में बडी राहत है। इससे मातृ-मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आयेगी, साथ ही साथ समय एवं आर्थिक हानि होने से भी उनको बचाया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैयाथान में 28, ओड़गी में 22, प्रतापपुर में 32 एवं रामानुजनगर में 18 (कुल 100) गर्भवती माताओं का सोनोग्राफी किया गया। दूरस्थ अंचलों में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ होने से जिले के समस्त लोगों में हर्ष व्याप्त है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. एस. सिंह ने जिले के समस्त लोगों से अपील किया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी की सुविधा का प्रत्येक माह के 09 एवं 24 तारीख को संबंधित स्वास्थ्य केन्द्र में उपस्थित होकर अधिक से अधिक गर्भवती माताएं इस सुविधा का लाभ ले सकते है।

कोरबा वनमण्डल क्षेत्र में एक बार पुनः हाथियों का दल हुआ सक्रिय

ग्रामीण के बाड़ी में घुस फसलों को किया नष्ट

-संवाददाता-
कोरबा,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा वन मंडल क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में एक बार पुनः हाथियों की सक्रियता बढ़ गई है । जानकारी के मुताबिक बीते दिन 10 हाथियों का झुंड ग्राम पसरखेत से आगे बढ्क़र कोरबा रेंज के दरगा होते हुए अब केराकछार पहुंच गया है। हाथियों ने यहां पहुंचने से पूर्व रास्ते में ग्राम बताती में एक ग्रामीण के बाड़ी में लगे फेंसिंग तार व खंभे को तोड़ दिया, इतना ही नही केले और सब्जी की फसल को भी चौपट कर दिया। डिप्टी रेंजर केशरवानी ने बताया कि बड़ी संख्या में हाथियो के केराकछार पहुंचने से वन अमला सतर्क हो गया है। केराकछार व आसपास के गांव में मुनादी कराने

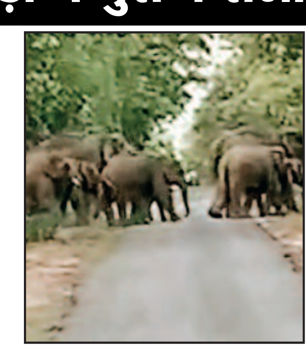

के साथ ही ग्रामीणों को सावधान भी कर दिया गया है। वहीं 10 हाथियो के अलावा तीन हाथी धरमजयगढ़ वन मंडल से कुदमुरा रेंज के ग्राम चचिया पहुंच गए है। जिसकी निगरानी वन विभाग द्वारा किया जा रहा है। कटघोरा वन मंडल के 48 हाथी फिलहाल शांत है। बारिश का मौसम शुरू होने के बाद हाथी अब जगह बदलने लगे हैं। कटघोरा वन मंडल के 48 हाथी अलग-अलग रेंज में डेरा जमाए हुए हैं। एतमानगर रेंज में 26 हाथियों का झुंड कोदवारी के जंगल में है। केंदई रेंज में भी 9 हाथियों का झूंड घूम रहा है। 13 हाथी जटगा रेंज में एक सप्ताह से घूम रहे हैं। विभाग ने बताया के अब तक किसी तरह के नुकसान की सूचना किसी भी क्षेत्र से नहीं आई है। रेंजर देवदत्त खांडे ने बताया कि हाथी अभी अधिकांश समय जंगल में रह रहे हैं,इसके बाद भी विभाग द्वारा आसपास के गांव के लोगों को सतर्क कर दिया गया है साथ ही जंगल में जाने से मना किया जा रहा है साथ ही जिले के सभी ग्रामीण अंचलों में हाथियों की निगरानी के लिए अलग-अलग टीमें लगाए गए हैं।

कोरबा पुलिस द्वारा कुल 03 गुम इंसान को किया गया दस्तयाब

-संवाददाता-
कोरबा,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा सभी थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि गुम इंसान की दस्तयाबी के लिये तत्काल कार्यवाही करे। जिसका पालन करते हुए दिनांक 23/06/2024 को कुल 03 गुम इंसान को दस्तयाब किया गया। जिसमे थाना कटघोरा, कोतवाली और सिविल लाइन से 01-01 गुम इंसान/बालिका को दस्तयाब किया गया। ज्ञात हो कि नाबालिको के गुम होने के मामले को अति संवेदनशील और गंभीर मामला माना जाता है, अतः प्रत्येक मामले में नाबालिक का अपहरण होने की दृष्टिकोण से देखा जाता है,जिसपर तत्काल अपहरण के धारा 363 भादवि के अंतर्गत एफआईआर दर्ज किया जाता है । पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक गुमसूदगी मामले में विशेष टीम का गठन कर बरामदगी हेतु तत्काल प्रयास किया गया है । इसपर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य की मदद से गुम इंसान को बरामद करने का प्रयास किया गया है । इसी के अंतर्गत वर्ष 2024 में अब तक कुल 306 गुम इंसान को बरामद करने में कोरबा पुलिस को सफलता मिली है, जिसमे 65 पुरुष, 153 महिला, 17 बालक एवं 71 बालिकाएं शामिल हैं।

थर्ड जेंडर के साथ अप्राकृतिक अनाचार करने वाले आरोपी को बालको पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,24 जून 2024 (घटती-घटना)।

जिले के बालको क्षेत्र का मामला जहां दिनाँक 18.05.2024 को प्रार्थीया द्वारा बालको थाना में उपस्थित आकर एक लिखित आवेदन पेश किया की पिताम्बर बंजारे के द्वारा प्रार्थीया को शादी का झांसा देकर उसके साथ गाली गलौच मारपीट कर अप्राकृतिक अनाचार किया गया है कि आवेदन पर, थाना बालकोनगर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धर्थ तिवारी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा यू.बी.एस.चौहान एवं उप पुलिस अधीक्षक कोरबा (मुख्यालय)

प्रतीभा मरकाम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बालको अभिनवकांत सिंह के नेतृत्व में आरोपी के धरपकड हेतु एक टीम तैयार किया गया एवं टीम के द्वारा लगातार आरोपी पिताम्बर बंजारे के पता तलाश में जुटा रहा,जो घटना के बाद से फरार था । पुलिस टीम के लगातार प्रयासो से आरोपी पिताम्बर बंजारे पिता धनसाय बंजारे उम्र 27 साल निवासी मुडाभांठा थाना कोसिर जिला सारंगढ को दिनाँक 24.06.2024 को गिरफतार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बालको निरीक्षक अभिनवकांत सिंह, सउनि चन्द्रशेखर वैष्णव प्र.आर. नरेन्द्र लहरे, आरक्षक रिर्चर्ड डेविड निराला,सुजीत कुरी का उत्कृष्ट योगदान रहा।

न्यायालयय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर,(छ0ग0)

क्रमांक-283राजस्व प्रकरण क्र./ब 121/2024/ 21.06.2024

ईश्तहार

आवेदक/आवेदिका का नाम पवन साय आ0 स्व .फु लसाय जाति-उरावं निवासी ग्राम पचिरा प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला - सूरजपुर छ0ग0 ने अपने माँ विश्वासी मृत्य /जन्म दिनांक 28/012/2012 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 4/07/2024 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/06/2024 को जारी किया जाता है

सील | तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वन्दना चौधरी पत्नी शिवशंकर चौधरी जाति जयसवाल, निवासी भटगांव , तहसील भटगांव, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम-मानिकप्रकाशपुर , तहसील अंबिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) खसरा नं0 89/5 रकबा 0.052 हे0 में से कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1खसरा , नक्शा , ले-आउट , पंचायत, प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति , आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 08/07/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील | अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

अफगानिस्तान,बांग्लादेश मैच आज

» अफगानिस्तान बांग्लादेश मैच की ये है बेस्ट ड्रीम 11 टीम

» रातोंरात करोड़पति बनने का मौका

ढाका,24 जून 2024। बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच 25 जून यानी मंगलवार सुबह 6 बजे से टी-20 वर्ल्ड कप का एक अहम मुकाबला खेला जाना है। सुपर 8 में बांग्लादेश का प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा है। सुपर 8 में खेले गए दो मैचों में टीम को लगातार दो हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में बांग्लादेश की कोशिश अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने की होगी।

सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा

अफगानिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही टीमों के लिए सेमीफाइनल की उम्मीदें अभी जिंदा है। अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर ग्रूप ए को पूरी तरह से खोल दिया है। ग्रूप ए में टॉप पर भारतीय टीम चार अंकों के साथ मौजूद है। लेकिन भारतीय टीम का भी सेमीफाइनल में पहुंचना अभी पक्का नहीं हुआ है।

इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

बांग्लादेश और अफगानिस्तान के मैच में कुछ खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिला सकते हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बांग्लादेश के खिलाफ गेंद और बल्ले दोनों से ही कमाल दिखा सकते हैं। राशिद खान की गेंद को पढ़ना बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। दूसरी तरफ नवीन उल हक और फजलहक फारूकी लगातार अफगानिस्तान के लिए शुरुआती ओवर्स में विकेट लेने का कारनामा कर रहे हैं। इस तरह बांग्लादेश की बात करें तो कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और तनजीद हसन अफगानिस्तान के खिलाफ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाना चाहेंगे। गेंदबाजी में शाकिब अल हसन तस्कीन अहमद तंजीम साकिब और मुस्तफिजुर रहमान पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

ड्रीम टीम -1

कप्तानः रहमानुल्लाह गुरबाज उपकप्तानः गुलबदीन नईब विकेटकीपरः रहमानुल्लाह गुरबाज (कप्तान) और लिटन दास। बल्लेबाजः गुलबदीन नईब (उपकप्तान), इब्राहिम जादरान और तौहीद हृदॉय। ऑलराउंडर्सः रिशाद हुसैन, शाकिब अल हसन और मोहम्मद नबी। गेंदबाजः राशिद खान, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

ड्रीम टीम -2

कप्तानः शाकिब अल हसन उपकप्तानः मोहम्मद नबी विकेटकीपरः रहमानुल्लाह गुरबाज (कप्तान) और लिटन दास। बल्लेबाजः गुलबदीन नईब (उपकप्तान), इब्राहिम जादरान और तौहीद हृदॉय। ऑलराउंडर्सः रिशाद हुसैन, शाकिब अल हसन और मोहम्मद नबी। गेंदबाजः राशिद खान, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

बांग्लादेश संभावित प्लेइंग इलेवनः तनजीद हसन, लिटन दास (विकेटकीपर), नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान),तौहीद हृदॉय, शाकिब अल हसन, महमूदुल्लाह, जाकेर अली, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, तनजीम हसन साकिब और मुस्तफिजुर रहमान।

अफगानिस्तान संभावित प्लेइंग इलेवनः रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, गुलबदीन नईब, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नांगेयालिया खारोटे, राशिद खान (कप्तान), नूर अहमद, नवीन-उल-हक और फजलहक फारूकी।

अभिषेक,रियान,मयंक की होगी भारतीय टीम में एंट्री

» आगामी टी20 सीरीज में मिस सकता है मौका

नई दिल्ली, 24 जून 2024। युवा ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा, रियान पराग तथा तेज गेंदबाज मयंक यादव को जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। आईसीसी टी 20 विश्व कप के समापन के बाद भारत पांच मैचों की टी 20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। यह सीरीज 6 जुलाई से शुरू होगी और 14 जुलाई तक चलेगी। सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि इस सीरीज में कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा। अभिषेक और रियान ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन से धमाल मचाया। अभिषेक 16 मैचों में 32.26 की औसत और 204.31 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाकर 10 वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75 रहा। अभिषेक ने सीजन में 42 छक्के लगाए और ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार ओपनिंग साझेदारी की। वह एक उपयोगी स्पिन गेंदबाज भी हैं रियान एक और ऑलराउंडर हैं जो ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं और स्पिन के कुछ महत्वपूर्ण ओवर कर सकते हैं। कई वर्षों तक निचले क्रम में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने रियान को चौथे नंबर पर अपग्रेड किया और उन्होंने 16 मैचों में 52.09 की औसत, 149 से अधिक की स्ट्राइक रेट और चार अर्धशतकों के साथ 573 रन बनाकर उन्हें इसका बदला चुकाया। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84* रहा। उनकी लगातार बल्लेबाजी आरआर के प्लेऑफ में पहुंचने के पीछे प्रमुख कारणों में से एक थी। मयंक ने चार मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 12.14 की औसत और 6.98 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए, जिसमें 3/14 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा रहा। चोटों के कारण टीम से अंदर-बाहर होने के बावजूद, मयंक ने अपनी तेज गति, लगातार 150 किमी प्रति घंटे को छूने की क्षमता और अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण से प्रशंसकों, विशेषज्ञों और क्रिकेटरों का दिल और दिमाग जीत लिया। वर्तमान में भारत सोमवार को सेंट लूसिया में चल रहे आईसीसी टी 20 विश्व कप में अपने सुपर आठ मुकाबले में खेलने के लिए तैयार है। भारत दो मैचों में दो जीत और चार अंकों के साथ ग्रूप वन में शीर्ष पर है। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपना पिछला मैच 50 रनों से जीता था यदि ऑस्ट्रेलिया यह मैच हार जाता है तो सेमीफाइनल में पहुंचने की उनकी संभावना गंभीर खतरे में पड़ जाएगी।

उरुग्वे ने पनामा पर 3-1 की जीत से अपना अभियान शुरू किया

मियामी गार्डन्स,24 जून 2024। उरुग्वे ने कोपा अमेरिका कप फुटबॉल का खिताब रिकॉर्ड 16 वीं बार जीतने के लक्ष्य के साथ अपने अभियान की शुरुआत ग्रुप सी में पनामा पर 3-1 की जीत के साथ की। उरुग्वे की टीम इस मैच में देश के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले दिग्गज लुइस सुआरेज के बिना मैदान में उतरी थी। मैक्सिमिलियानो अराउजो ने 16 वें मिनट में उरुग्वे का खाता खोला जबकि डार्विन नुनेज (85वें मिनट) और मैटियास विना (90+1 मिनट) ने आखिरी पलों में छह मिनट के अंदर दो गोल टीम की जीत को पक्का कर दिया। इस पूरे मैच में उरुग्वे का दबदबा रहे जो 20 बार पनामा की रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रहा। इसमें से उसके सात प्रयास निशाने पर रहे और तीन गोल में बदले। पनामा के लिए अमीर मुरिलो ने स्टॉपेज समय (90+4 मिनट) ने गोल कर हार के अंतर को कम किया। ग्रूप सी के एक अन्य मैच में अमेरिका ने बोलीविया को 2-0 से हराया। उरुग्वे अब गुरुवार को न्यूजर्सी में बोलीविया का सामना करेगा जबकि इसी दिन अमेरिका के सामने पनामा की चुनौती होगी।

भारतीय टीम विश्व कप के बाद करेगी जिम्बाब्वे का दौरा

» सोनी स्पोर्ट्स 4 भाषाओं में करेगा प्रसारण

नई दिल्ली, 24 जून 2024। भारत में अग्रणी खेल प्रसारक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने भारतीय क्रिकेट टीम के जिम्बाब्वे दौरे के लिए एक्सक्लूसिव टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार हासिल कर लिए हैं। 6 जुलाई से 14 जुलाई 2024 के बीच खेले जाने वाले आकर्षक टी 20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए एक युवा भारतीय दल के हरारे की यात्रा करने की उम्मीद है और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क भी इसे लेकर काफी रोमांचित है।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क सीरीज के सभी लाइव एक्शन को चार भाषाओं अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में दिखाएगा। पांच मैचों की टी 20 इंटरनेशनल सीरीज का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 (हिंदी) एसडी और एचडी, सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 (तमिल/तेलुगु) और सोनी स्पोर्ट्स टेन 5 एसडी और एचडी, पर किया जाएगा। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर इंडिया टूर ऑफ जिम्बाब्वे के प्रसारण का कई लोगों को बेसब्री से इंतजार है। खास तौर पर जब एक बेहद प्रतिभाशाली भारतीय टीम को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा।पिछली बार जब भारत टीम ने 2022 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था, तब उसने 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली थी। मेन इन ब्लू ने तीन में से तीन जीत के साथ सीरीज अपने नाम किया था। युवा ओपनर शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। दिलचस्प बात यह है कि पिछली बार दोनों टीमों ने जिम्बाब्वे में द्विपक्षीय टी 20 सीरीज 2016 में खेली थी। तब भारत ने 2-1 से जीत हासिल की थी। इंडिया टूर ऑफ जिम्बाब्वे के जुड़ने से सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क की क्रिकेट प्रॉपर्टीज की समृद्ध सूची में इजाफा हुआ है जिसमें न्यूजीलैंड क्रिकेट, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और श्रीलंका क्रिकेट सहित कई क्रिकेट बोर्ड शामिल हैं।

राजेश कौल (चीफ रेवेन्यू ऑफिसर-डिस्ट्रीब्यूशन एंड इंटरनेशनल बिजनेस और हेड - स्पोर्ट्स बिजनेस, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया) ने कहा, हमें इंडिया टूर ऑफ जिम्बाब्वे के प्रसारण की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह क्रिकेट प्रॉपर्टीज के हमारे मौजूदा पोर्टफोलियो में वैल्यू जोड़ता है। दर्शक एक रोमांचक श्रृंखला देखने की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि एक युवा भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने कौशल और गुणवत्ता का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।

घर में वर्ल्ड कप जीतने का वेस्टइंडीज का सपना टूटा

नॉर्थ साउंड, 24 जून 2024। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को बारिश से प्रभावित टी20 विश्व कप के सुपर 8 मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में हार से सह मेजबान वेस्टइंडीज टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वेस्टइंडीज ने 8 विकेट पर 135 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने जब दो विकेट पर 15 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। खेल दोबारा शुरू होने पर दक्षिण अफ्रीका के सामने डकवर्थ लुईस प्रणाली से 17 ओवर में 123 रन बनाने का नया लक्ष्य रखा गया। दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में सात विकेट पर 124 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसने सुपर 8 में अपने तीनों में जीते और इस तरह से ग्रुप 2 में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस ग्रुप से इंग्लैंड चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। वह अन्य मेजबान अमेरिका को 10 विकेट से हराकर पहले ही अंतिम चार में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था।

फिल्म हसीना मान जाएगी को पूरे होंगे 25 साल

शशि कपूर की एक फिल्म से उठाई कहानी तो दूसरी का उड़ाया टाइटल, संजय-गोविंदा की हिट फिल्म का अद्भुत संयोग?

गोविंदा की फिल्में फैंस को काफी पसंद आती हैं। आज भी लोग उनकी मूवी के दीवाने हैं। साल 1999 में रिलीज हुई हसीना मान जाएगी भी लोगों को काफी पसंद आई थी और ये उस समय हिट हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ करिश्मा कपूर और कादर खान समेत कई स्टार्स दिखाई दिए थे। 25 जून को फिल्म को रिलीज हुए 25 साल पूरे हो रहे हैं। साल 1999 में रिलीज हुई कॉमेडी एक्शन फिल्म हसीना मान जाएगी में गोविंदा,संजय दत्त,कादर खान और करिश्मा कपूर समेत कई स्टार्स दिखाई दिए थे। इस मूवी का निर्देशन डेविड धवन ने किया था। फिल्म को लोगों से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला और दर्शकों ने स्टार्स की एक्टिंग को भी काफी पसंद किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, हसीना मान जाएगी लगभग 9 करोड़ के बजट में बनी थी और बॉक्स ऑफिस पर इसने 14.90 करोड़ की कमाई की थी। वहीं, फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 26.10 करोड़ रुपये रहा था। यह फिल्म उस साल की हिट फिल्म साबित हुई थी। अब 25 जून को मूवी को रिलीज हुए 25 साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं फिल्म से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्से। फिल्म की कहानी की बात करें, तो इसमें दो शरारती भाइयों की स्टोरी देखने को मिली थी, जो अपने पिता को भी परेशान करते हुए नजर आते हैं। इसकी पूरी स्टोरी इन्हीं दोनों भाई सोनू (संजय दत्त) और मोनू (गोविंदा) के इर्द-गिर्द घूमती है। इनकी जोड़ी फिल्म में दो बहनें रितु (करिश्मा कपूर) और पूजा (पूजा बत्रा) के साथ जुड़ती है। फिल्म में कॉमेडी और एक्शन की कोई कमी नहीं थी। आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार, 1999 के क्रिकेट विश्व कप के दौरान इस फिल्म के कुछ गाने और सीन्स उस समय मैचों के ब्रेक के बीच में दिखाए जाते थे। इनकी वजह से भी लोगों के बीच में उस समय इस मूवी को लेकर क्रेज बढ़ा।

इस फिल्म को बाला साहेब ठाकरे की बहू स्मिता ठाकरे ने प्रोड्यूस किया था और यह उनकी बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म थी। हसीना मान जाएगी की बेसिक स्टोरी लाइन और कुछ सीन की बात करें, तो यह साल 1966 में आई फिल्म प्यार किए जा से इंस्पायर्ड थे। इस मूवी में शशि कपूर नजर आए थे, जिनका किरदार कुछ गोविंदा के जैसा ही था और प्यार किए जा एक तमिल फिल्म का हिंदी रीमेक थी। हसीना मान जाएगी फिल्म करने के लिए एक्ट्रेस करिश्मा कपूर काफी खुश थीं। ऐसा इसलिए था, क्योंकि हसीना मान जाएगी इसी नाम से उनकी मां बबीता कपूर ने भी एक फिल्म की थी, जो साल 1968 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में बबीता, शशि कपूर के साथ नजर आई थीं, जिसे प्रकाश मेहरा ने डायरेक्ट किया था। ऐसे में इस मूवी के लिए डेविड धवन ने शशि कपूर की एक फिल्म से इसकी स्टोरी लाइन को लिया और उनकी दूसरी फिल्म से उनका टाइटल ले लिया।

एक टास्क को पूरा करने के लिए कादर खान बांद्रा से पहुंच गए थे मरीन ड्राइव

जब एक टास्क को पूरा करने के लिए कादर खान ने फुटबॉल की मार भी की थी सहन

हिंदी सिनेमा के एक ऐसे अभिनेता थे जिनकी फिल्में आज भी जब टेलीविजन पर आती हैं तो लोगों के चेहरों पर मुस्कान आ जाती है। कादर खान ने अपने करियर में कई बड़ी फिल्में की। हालांकि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर एक्टर नहीं बल्कि बतौर राइटर की थी। शुरूआती दौर में तो एक टास्क के लिए उन्होंने फुटबॉल की मार भी झेली। कादर खान हिंदी सिनेमा के वो अभिनेता थे, जो पर्दे पर किसी भी रूप में आ जाए अपने दर्शकों का दिल जीत ही लेते थे। उन्होंने अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। गोविंदा हो या सलमान खान या फिर शाह रुख खान जिनके साथ भी वो स्क्रीन पर दिखे, उसके साथ उनकी जोड़ी परफेक्ट फिट बैठी। आज के दौर में भले ही इंडस्ट्री में एंट्री करने के लिए कई रास्ते खुल गए हों, लेकिन जोड़ी नंबर एक्टर को अपने समय में काफी संघर्ष करना पड़ा था। खुद एक पुराने इंटरव्यू में कादर खान ने बताया था कि किस टास्क को पूरा करने के लिए उन्होंने फुटबॉल की मार भी सहन की थी। कादर खान ने अपने पूरे फिल्मी करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। हालांकि, वह भी थिएटर आर्टिस्ट रहे थे। बॉलीवुड में उनकी एंट्री बतौर एक्टर नहीं, बल्कि डायलॉग राइटर के तौर पर हुई थी। लहरे रेट्रो को दिए एक बहुत पुराने इंटरव्यू में कादर खान ने बताया था कि कैसे उन्हें बॉलीवुड में एंट्री मिली।उन्होंने कहा, 23-24 साल पहले मेरा एक ड्रामा बहुत फेमस हुआ था लोकल ट्रेन, जिसमें मुझे बेस्ट राइटर-एक्टर और डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला था। मुझे बैक स्टेज एक डायरेक्टर मिले थे मिस्टर नरेंद्र बेदी, उन्होंने मुझसे कहा कि मैं एक फिल्म बना रहा हूं जवानी-दीवानी, जिसमें रणधीर कपूर-जया बच्चन थे।

उन्होंने मुझसे कहा कि मैं चाहता हूं आप इस फिल्म के डायलॉग लिखिए। पहले तो मैंने उन्हें मना किया, लेकिन बाद में उन्होंने काफी बोला तो मैं मान गया÷।संघर्ष के दिनों के इस मजेदार किस्से को आगे बढ़ाते हुए कादर खान ने कहा, ÷3 घंटे में डायलॉग्स लिखने के बाद जब मैं मरीन ड्राइव से बांद्रा उनके ऑफिस में पहुंचा तो वो मुझे देखकर हैरान हो गए, उन्होंने सोचा पागल आदमी फिर काम पूछने आ गया। मैं गया मैंने बोला कि डायलॉग लिख लिए हैं मैंने पूरे।वो हैरान हुए उन्होंने मुझे बोला कि कभी तीन घंटे में ऐसा हुआ नहीं है। मैंने जब उन्हें दिखाया, तो उन्होंने जिस तरह से मुझे दाद दी, सीने से लगाया, वो मेरी जिंदगी की राह बन गया, जिसकी वजह से आज मैं यहां पर खड़ा हूं । अगर वो उस वक्त मुझे ठुकरा देते तो वहीं से मेरी एग्जिट हो जाती।

परेश रावल ने एक्टिंग नहीं बैंकिंग से शुरू किया था करियर

गर्लफ्रेंड से लिए पैसे,स्टार बनने के लिए बेले खूब पापड़

परेश रावल ने नेगेटिव से लेकर कॉमेडी तक अलग- अलग जॉनर में हाथ आजमाया और हर बार अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया। उनकी दमदार अदाकारी के आगे कई बार सुपरस्टार भी फीके पड़ गए। एक्टिंग की दुनिया में नाम कमाने के लिए परेश रावल ने खूब पापड़ भी बेले। यहां तक कि कई बार उन्हें तंगहाली का भी सामना करना पड़ा।

परेश रावल बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर्स में गिने जाते हैं। कॉमेडी से लेकर विलेन और इमोशनल तक, उन्होंने अलग- अलग जॉनर में हाथ आजमाया और हर दर्शकों का दिल जीता। परेश रावल की दमदार अदाकारी के आगे सुपरस्टार भी फीके पड़ जाते हैं। हालांकि,इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने खूब पापड़ भी बेले। यहां तक कंगाली के दिनों में गर्लफ्रेंड से पैसे भी लिए। 30 मई 1955 को एक गुजराती मिडिल क्लास परिवार में जन्में परेश रावल बॉम्बे (मुंबई) में पले-बढ़े हैं। पढ़ाई के मामले में भी एक्टर पीछे नहीं हैं। परेश रावल, नरसी मोनजी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, विले पार्ले, मुंबई के छात्र रह चुके हैं। परेश रावल कॉलेज खत्म होने के बाद नौकरी की तलाश में जुट गए, क्योंकि उन्हें घर से जेबखर्च का कोई कॉन्सेप्ट नहीं था। ऐसे में उन्हें बैंक में नौकरी मिल गई। एक्टर ने अपने करियर की शुरुआत बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ किया। हालांकि, यहां परेश रावल ज्यादा दिन टिक नहीं पाए, क्योंकि एक्टर खुद को वहां के माहौल में फिट नहीं कर पा रहे थे।

परेश रावल ऐसे में एक बार फिर पैसों की तंगी से जूझने लगे। इस दौरान उन्होंने काफी दिनों तक गर्लफ्रेंड से पैसे लेकर गुजारा किया। मुश्किल दौर में प्यार ने परेश रावल का पूरा साथ दिया। एक्टर की लव लाइफ भी बेहद

दिलचस्प है। परेश रावल अपने बॉस की बेटी पर दिल हार बैठे थे,जो खुद एक जानी- मानी हस्ती थीं।परेश रावल की गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस और मिस इंडिया 1979 की विनर स्वरूप संपत थीं, जिनसे वो बेरोजगारी के दिनों पैसे लिया करते थे। दोनों का 12 सालों तक अफेयर चला था। इसके बाद परेश रावल और स्वरूप संपत ने 1987 में शादी के बंधन में बंध गए थे। कपल के दो बेटे आदित्य और अनिरुद्ध हैं। परेश ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म, नसीब नी बलिहारी (1982) से की थी। वहीं, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम आमिर खान और मीरा नायर की होली (1984) से रखा। इसके बाद वो सनी देओल की फिल्म अर्जुन (1985) में नजर आए, जहां से उन्हें पहचान मिलनी शुरू हुई। करियर के शुरुआत में उन्होंने ज्यादातक नेगेटिव और ग्रे शेड वाले किरदार निभाए, लेकिन फिर उन्होंने इससे बाहर निकलने का फैसला लिया, जिसने उनके करियर को तेजी से आगे बढ़ाया।लगातार संघर्ष कर रहे परेश रावल को फिल्म अंदाज अपना अपना में डबल रोल निभाने का मौका मिला। फिल्म तो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई, लेकिन परेश रावल के परफॉर्मेंस की तारीफ हुई। इसके बाद उनके करियर ने रफ्तार पकड़ी। मोहरा, हीरो नंबर 1, जुदाई और मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी जैसी कई फिल्मों में परेश रावल कॉमेडी का तड़का लगाते हुए नजर आए। इसके बाद उनके करियर को एक और बूस्ट दिया फिल्म होर फेरा ने।2000 में आई हेरा फेरी में परेश रावल ने में एक महाराष्ट्रीयन गैराज मालिक, बाबूराव गणपतराव आप्टे की भूमिका निभाई थी। बाबूराव के किरदार ने एक्टर को खूब पॉपुलैरिटी दिलाई। इसके लिए उन्होंने कई अवॉर्ड भी जीते। परेश रावल 2006 में एक बार फिर सीक्वल फिर हेरा फेरी में बाबूराव बन एंटरटेन करते नजर आए। अब वो अगली बार हेरा फेरी 3 में भी इस किरदार को दोहराते नजर आएंगे।

बलौदाबाजार हिंसा मामले में सरकार का फैसला

» बलौदाबाजार हिंसा मामले में आगजनी में लगभग 12 करोड़ रुपये का नुकसान,पीड़ितों को बीमा राशि मिलना शुरू...

रायपुर,24 जून 2024(ए)। बलौदाबाजार में हाल ही में हुई आगजनी की घटना में करीब 12 करोड़ रुपये की क्षति का अनुमान है.। पीड़ितों को बीमा कंपनियों द्वारा मुआवजा मिलना शुरू हो गया है और पुलिस घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने सोमवार को आगजनी की घटना के बाद की जा रही कार्यवाही और भविष्य की रणनीति के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि आगजनी की घटना में अब तक के आकलन के अनुसार लगभग 12 करोड़ रुपये की क्षति हुई है। इस क्षति में संयुक्त जिला कार्यालय भवन, जिला पंचायत कार्यालय,जिला निर्वाचन कार्यालय, तहसील एवं पंजीयन कार्यालय भवन, वाहन, उपकरण, और फर्नीचर शामिल हैं. नगर में हुई अन्य क्षति का आकलन अभी जारी है। बीमा कंपनियों द्वारा अब तक 7-8 वाहन स्वामियों को मुआवजा मिल चुका है और लगभग 23 मामलों की प्रक्रिया चल रही है।

वाहनों की क्षति

कलेक्टर ने बताया कि घटना में लगभग 240 निजी और शासकीय वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें पूरी तरह जले 31 निजी और शासकीय चार पहिया वाहन, 60 दो पहिया वाहन,27 क्षतिग्रस्त चार पहिया वाहन, और लगभग 122 क्षतिग्रस्त दो पहिया वाहन शामिल हैं. जिन निजी वाहनों का बीमा नहीं है, उनका मूल्यांकन किया जा रहा है।

राहत और पुनर्निर्माण

घटना से पीड़ितों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए एक पीड़ित राहत समिति बनाई गई है। दस्तावेज क्षति के लिए भी एक टीम का गठन किया गया है। पुलिस, आबकारी, जिला योजना और सांख्यिकी विभाग में दस्तावेज पुनर्निर्माण का काम शुरू हो गया है।

कानून व्यवस्था और शांति बहाली

कानून व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए लगातार बैठकें की जा रही हैं.। चेम्बर ऑफ कॉमर्स, सिविल सोसाइटी, अशासकीय संगठन, कृषक संगठन, और पेट्रोल पम्प संचालकों के साथ बैठकें कर शांति बहाली के लिए जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है. उपयुक्त क्षमता के सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

सोशल मीडिया मॉनिटरिंग

जिला स्तरीय सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम बनाई गई है जो 24 घंटे निगरानी कर रही है। नकारात्मक और भड़काऊ पोस्ट पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। शांति समिति की बैठक लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। किराये पर दिए गए मकान और दुकान की सूची नजदीकी थाने को देने और ठेका श्रमिकों की सूची संबंधित विभाग को देने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही मैदानी अमलों के साथ भी बैठकें आयोजित की जाएंगी।
पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं को समझने के लिए हर तरह से पूछताछ की जा रही है। अब तक 138 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है और पोस्ट के सोर्स तक पहुंचा जा रहा है तथा कई अकाउंट ब्लॉक भी किए जा रहे हैं.यह घटनाक्रम बलौदाबाजार में शांति बहाल करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए ठोस कदमों का हिस्सा है। जिला प्रशासन और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी।

महतारी वंदन योजना की तरह हर माह मितानिनों के बैंक खाते में जाएगा मानदेय

रायपुर,24 जून 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्य की लाखों मितानिन बहनों को एक बड़ी सौगात देने की बात कही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरूस्त रखने में मितानिन बहनों का बहुत बड़ा योगदान है। ऐसे में उनका खयाल रखना राज्य का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर अब राज्य की मितानिन बहनों को महतारी वंदन योजना की तर्ज पर हर माह उनका मानदेय बैंक खाते में मिलने लगेगा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री को दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि बहुत जल्द ही मितानिन बहनों को आनलाइन बैंक खाते में भुगतान मिलने लगेगा। जायसवाल ने कहा कि इसकी शुरूआत मुख्यमंत्री साय के हाथों से होगा।

रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट पर बढ़ी हलचल

» पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने दिया बड़ा बयान, कहा...कांग्रेस कौन सा कैंडिडेट उतारे,सांसद बृजमोहन अग्रवाल से लेगी सलाह

रायपुर,24 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से बृजमोहन अग्रवाल के विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद आगामी समय में उपचुनाव होना है। कांग्रेस और भाजपा किसे अपना उम्मीदवार बनाएं, इस पर भी चर्चा तेज है। इस बीच पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया के बयान के बाद राजनीतिक सरगरमी भी तेज हो गई हैं. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि कौन सा कैंडिडेट उतारे, इस पर कांग्रेस सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सलाह लेगी। दरअसल, रायपुर दक्षिण से कौन सा कैंडिडेट उतारे इस पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया ने कहा कि इस पर कांग्रेस सांसद बृजमोहन अग्रवाल से सलाह लेगी. बृजमोहन अग्रवाल दुखी हैं, उन्हें केंद्र में मंत्री नहीं बनाया गया, इसका

धमतरी-खल्लारी पुलिस-नक्सली मुठभेड़ पर एसपी का खुलासा

धमतरी,24 जून 2024 (ए)। जिले में विगत कुछ माह से व्यापक नक्सल विरोधी अभियान संचालित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में कल 23 जून को ग्राम मुंहकोट-आमझर के जंगल में सर्चिंग अभियान डीआरजी धमतरी द्वारा संचालित किया जा रहा था। अभियान के दौरान करीबन 15.30 बजे मुंहकोट- आमझर के जंगल में पूर्व से एम्बुश लगाकर बैठे नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी को जान से मारने एवं हथियारों को लूटने की नीयत से स्वचालित हथियारों से अंधाधुन्ध फायरिंग किया गया।
पुलिस सर्चिंग टीम द्वारा सुरक्षार्थ त्वरित आड़ लेकर नक्सलियों को फायरिंग बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने की चेतावनी देने पर भी नक्सलियों द्वारा लगातार फायरिंग जारी रखा गया। पुलिस पार्टी के पास अन्य कोई विकल्प न होने पर आत्मसुरक्षार्थ फायरिंग किया गया। करीबन एक घंटे रूक-रूककर दोनो तरफ से फायरिंग होती रही। फायरिंग रूकने के बाद पुलिस सर्चिंग पार्टी द्वारा जंगल में आसपास सर्चिंग किया गया। सर्चिंग के दौरान एक नक्सली का शव बरामद हुआ, जिसके पास ही एक एस0एल0आर0 रायफल मैग्जीन सहित जिसमें 07 नग जिन्दा कारतूस एवं उसके पिट्ठू में एस0एल0आर0 की एक मैग्जीन जिसमें 08 नग जिन्दा कारतूस, नक्सली साहित्य, कॉरडेक्स वायर, टूल बॉक्स (हथियार संबंधी), एक मल्टीमीटर, मोबाईल चार्जर, दवाईयां सहित अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद हुई है। बरामद नक्सली साहित्य एवं सामग्री से और भी कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। मृत नक्सली की पहचान अरूण मण्डावी, सीतानदी एरिया कमेटी सदस्य एवं कमाण्डर, रावस समन्वय कमेटी के रूप में हुई है। मृत नक्सली के उपर शासन द्वारा 05 लाख रूपये का ईनाम घोषित किया गया था।

सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव को देखकर नक्सल सामाग्री को छोड़कर भाग खड़े हुए

जिला धमतरी में अमरेश मिश्रा,पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर के दिशानिर्देश पर पुलिस अधीक्षक धमतरी आंजनेय वार्ष्णेय के कुशल नेतृत्व में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है।
इसी तारतम्य में रविवार को डीआरजी नगरी की टीम नक्सल विरोधी अभियान हेतु थाना खल्लारी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मुहकोट-आमझर के जंगल क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे कि अभियान के दौरान सुरक्षा बलो द्वारा जंगल-झाड़ियों का सर्चिंग करते हुए आगे बढ़ रहे थे। तभी दोपहर 15:30 बजे ग्राम मुहकोट-आमझर के जंगल के पास नक्सलियों द्वारा घात लगाकर पुलिस पार्टी पर जान से मारने व हथियार लूटने की नीयत से हथियारों से फायरिंग किया गया। पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं डीआरजी. टीम द्वारा भी अपना परिचय बताते हुए आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही किया गया। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव व अपने आप को घिरता हुआ देखकर नक्सली जंगल/पहाड़ी का आड़ लेकर भाग गए। घटना स्थल की गहन सर्चिंग करने के पश्चात एक अज्ञात माओवादी का शव, 01 नग एसएलआर,नक्सल साहित्य, एवं नक्सलियों दैनिक उपयोगी कपड़े आदि बरामद किया गया। नक्सलियों के बरामद सामग्री को लेकर सभी सुरक्षा पार्टी टैक्टिकल मुव्हमेंट करते हुए सुरक्षित कैम्प वापस आ चुके है।

सीजीपीएससी मेंस की परीक्षा 5 शहरों में आज हुआ एग्जाम

रायपुर,24 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य सेवा की मुख्य परीक्षा आज से शुरू हो गई है। यह परीक्षा 24 जून से 27 जून तक होगी। कुल सात पेपर होंगे। आज सुबह नौ से 12 बजे तक भाषा की परीक्षा हुई। अब दोपहर दो से पांच बजे तक निबंध का पेपर होगा। इस परीक्षा के लिए रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर और दुर्ग में परीक्ष केंद्र बनाए गए हैं। सीजीपीएससी की होने वाली परीक्षा में इस बार 242 पदों पर भर्ती होगी। इसमें डिप्टी कलेक्टर से लेकर नायब तहसीलदार तक के पद शामिल हैं। मुख्य परीक्षा के लिए इस बार 3597 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। 24 जून को इन्हीं अभ्यर्थियों के मेंस परीक्षा की शुरुआत होगी। राजधानी रायपुर में 918 परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया है। रायपुर के तीन परीक्षा केंद्रों में 870 अभ्यर्थी शामिल हुए। जे आर दानी शासकीय विद्यालय केंद्र में 300 अभियार्थियों का केंद्र बनाया गया जिसमें से 283 अभ्यर्थी शामिल हुए। राजधानी रायपुर में कुल 48 अभ्यर्थियों ने एग्जाम नहीं दिया है।

उच्च शिक्षा विभाग में लगभग 3000 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर,24 जून 2024 (ए)। सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। उच्च शिक्षा विभाग में अलग-अलग पदों पर लगभग 3000 पदों पर भर्ती होने वाली है। जिसमें प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, लाइब्रेरियन, क्रीड़ा अधिकारियों के लिए भर्ती होगी. इस बारे में विभाग के सचिव डॉ. आर प्रसन्ना ने जानकारी दी है। उच्च शिक्षा सचिव सचिव आर प्रसन्ना ने बताया कि असिस्टेंट प्रोफेसर के 2160 पदों,प्रोफेसर के 552 पदों, लाइब्रेरियन के 130 सौदों की भर्ती होगी। इसके साथ ही खेल के लिए 130 पदों में होगी भर्ती। इन पदों के लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। कोशिश है कि जल्द से जल्द भर्ती कर लें। ताकि प्रोफेसर असिस्टेंट प्रोफेसर की कमी दूर हो सके।

जल्द शुरू होगी बिलासपुर से मुंबई के बीच हवाई सेवा

» एलाइंस एयर ने की योजना तैयार

रायपुर,24 जून 2024 (ए)। मुम्बई-बिलासपुर के बीच हवाई सेवा शुरू होने के मार्ग प्रशस्त हो रहे हैहाल ही में मुंबई-जलगांव के बीच नई फ्लाइट शुरू की है,और अब इसे बिलासपुर तक बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए प्रारंभिक काम भी शुरू कर दिया गया है। 1 मार्च 2021 से बिलासपुर से हवाई सेवा शुरू होने के साथ ही देश के महानगरों के लिए फ्लाइट की मांग की जा रही है। इसके लिए शहर के लोग हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति के नेतृत्व में कई सालों से लगातार आंदोलन कर रहे हैं। यदि महानगरों के लिए हवाई सेवा शुरू नहीं होती है, तो आंदोलन को उग्र करने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए रणनीति बनाई जा रही है। इस बीच एलाइंस एयर कंपनी द्वारा बिलासपुर-मुम्बई के बीच फ्लाइट शुरू करने की तैयारी कर रही है। एलाइंस एयर कंपनी द्वारा बिलासपुर से मुम्बई की दूरी 72 सीटर विमान के हिसाब से अधिक है। इसलिए उसमें विचार नहीं किया जा रहा था। इस बीच कंपनी ने मुम्बई-जलगांव-मुम्बई के बीच फ्लाइट शुरू की है। अब उस फ्लाइट को बिलासपुर तक बढ़ाने की बात कही जा रही है। इसके साथ ही मुम्बई-जलगांव-बिलासपुर के बीच हवाई सेवा शुरू हो जाएगी। इसके लिए एलाइंस एयर कंपनी का प्रस्ताव मुख्यालय भेज भी दिया गया है। सब कुछ ठीक रहा तो अक्टूबर माह से लागू होने वाली विंटर शेड्यूल में मुम्बई-जलगांव- बिलासपुर फ्लाइट शामिल होना तय माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का हड़ताल हुआ खत्म

रायपुर,24 जून 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश एवं स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की पहल से छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की हड़ताल को देखते हुए उनकी मांगों पर विस्तृत चर्चा की गई है 7 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के मिशन संचालक द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रतिनिधि मंडल के साथ संघ की तीन सूत्रीय मांगो पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय में विस्तृत चर्चा की गई। संघ की प्रमुख मांग जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया।
गौरतलब है कि उक्त भुगतान के लिए 43 करोड़ 92 लाख रूपए की राशि पूर्व में ही जिलों को जारी की जा चुकी है7 इसके अलावा शेष मांगों के सम्बन्ध में मुख्यालय स्तर से कमेटी बनाकर समय सीमा में परीक्षण करने के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया है। जिसके पश्चात् संघ द्वारा सहमत होते हुए हड़ताल तत्काल वापस लेने की सहमति दी गई है।

प्री बीएड और प्री डीएड प्रवेश परीक्षा के एडमिट कार्ड आज से

रायपुर,24 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल के द्वारा 32 जिला मुख्यालयों में प्री बीएड और प्री डीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया जाना है। जिसके प्रवेश पत्र आज से अपलोड कर दिए गए है। व्यापम की साइट से छात्र अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते है। अभ्यर्थी इस यूआरएल को क्लिक कर अपने मोबाइल पर सीधे प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते है। परीक्षा के दिन एक घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा।परीक्षा हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। एडमिट कार्ड में फोटो साफ नहीं आने पर दो कलर पासपोर्ट फोटो साथ ले जाना होगा। परीक्षार्थियों को अपना फोटो युक्त मूल आईडी आधार, पेन, ड्राइविंग लाइसेंस पासपोर्ट आदि साथ लाना होगा।

डोपिंग केस में फंसे छत्तीसगढ़ के दो खिलाडी और कोच,चार साल के लिए किये गए निलंबित

रायपुर,24 जून 2024 (ए)। राज्य और राष्ट्रीय स्तर के मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल हासिल कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले दो खिलाड़ी और कोच डोपिंग लेने के मामले में फंस गए हैं। जय भवानी व्यायामशाला की वेटलिफ्टर एकता बंजारे और मिथिलेश सोनकर का राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने डोप टेस्ट किया, जिसका रिजल्ट पॉजिटिव पाया गया है।नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने दोनों खिलाड़ियों और कोच अजय लोहार को चार सालों के निलंबित करने का फैसला लिया है। एजेंसी ने 19 मार्च को खेलो इंडिया इंटर जोन प्रतियोगिता के दौरान एकता और 9 अक्टूबर को मिथिलेश को औचक रूप से डोप टेस्ट के नमूने लिए थे।

नमूने में पाया स्टेरॉयड

रिपोर्ट में पाया गया है कि, खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में ताकत बढ़ाने के लिए डोपिंग ली थी, जिसमें स्टेरॉयड शामिल है। दोनों खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर के मैच में गोल्ड मेडल हासिल किया है। पिछले साल सरकार ने कोच को 5 लाख रुपए आर्थिक मदद करने की भी घोषणा की थी। डोप टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद खिलाड़ियों और कोच को भी इसका खामियाजा शर्मिंदगी के साथ-साथ भारतीय वेटलिफ्टिंग फेडरेशन पर प्रतिबंध के रूप में चुकाना पड़ेगा। राज्य वेट लिफ्टर संघ ने इस कार्रवाई के बाद दोनों खिलाडियों और कोच को बाहर करने का फैसला कर लिया है।

पूर्व एमएलए अग्नि चंद्राकर पंचतत्व में हुए विलीन

महासमुंद,24 जून 2024(ए)। स्वच्छ राजनीति वाले सरल राजनेता के रूप में अपनी पहचान बनाए रखने वाले पूर्व विधायक अग्नि चंद्राकर का पार्थिव शरीर सोमवार की सुबह महासमुंद पहुंचा। पत्नी, बेटे के अलावा परिवार के लोगों ने रेलवे स्टेशन रोड स्थित आवास पर उनका शव उसी स्थान पर रखा, जहां बैठकर वे लोगों से मुलाकात करते थे। उनके यहां पहुंचने से पहले सैकड़ों की तादात में लोगों का हुजूम पहुंच चुका था। इसके बाद उनके शव को कांग्रेस भवन ले जाया गया। जहां जिले भर के कांग्रेसी, समर्थक उनकी अंतिम दर्शन के लिए टूट पड़े। भीड़ के बीच ही ठीक सवा 11 बजे उनकी यात्रा उस गांव की ओर निकली,जहां उनका जन्म हुआ था। शहर के लोग अवाक थे कि महासमुंद को जले का दर्जा दिलाने वाला शख्स आज महासमुंद को अलविदा कह रहा है, कभी वापस महासमुंद लौटकर नहीं आएंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)